सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 265 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 8 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीएम साय ने दिया संकेत : छत्तीसगढ़ को जल्द मिलेंगे दो नए मंत्री

जगन्नाथ मंदिर में रथयात्रा कार्यक्रम के दौरान मीडिया से चर्चा में कही यह बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। विष्णुदेव साय कैबिनेट में अब तक दो पद खाली है। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि जल्द ही मंत्रिमंडल में विस्तार होगा। इस संबंध में थोडा इंतजार करने को कहा है। मध्यप्रदेश के कैबिनेट विस्तार को लेकर सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी होगा, इंतजार करिए। उन्होंने विधानसभा मानसून सत्र को लेकर कहा कि सब तैयारी है।

सीएम साय ने यह बात रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा में शामिल होने के दौरान कही है। भगवान जगन्नात रथयात्रा में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत कई नेता शामिल हुए। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की। बघेल ने इस दौरान मंत्रिमंडल के खाली पदों चर्चा की। साथ ही संसदीय कार्य मंत्री की तुरंत नियुक्ति की बात कही है। इस मुलाकात के दौरान पूर्व सीएम ने कई विषयों पर चर्चा की है।

रथयात्रा में शामिल होने राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री राम विचार नेताम और विधायक पुरंदर मिश्रा समेत कई नेता मौजूद रहे। मीडिया से चर्चा के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि आज हम लोगों का सौभाग्य है कि रायपुर में जगन्नाथ मंदिर में महा प्रभु जगन्नाथ जी, बलभद्र स्वामी और माता सुभद्रा का विधिवाद पूजा अर्चना किए हैं। ऐसे अवसर में यहां भारी उत्साह है। सब ने मिलकर पूजा अर्चना की छत्तीसगढ़ की खुशहाली की कामना किए हैं।

आवश्यकता है

ऑफिस के लिए साफ-सफाई एवं चाय बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9893092649, 9827806026

छत्तीसगढ़ में हैवी रेन की चेतावनी
अधिकतर जिलों में होगी भारी बारिश

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट, तापमान में भारी गिरावट की संभावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मानसून आंखमिचौली खेल रहा है। प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश तो कुछ हिस्सों में बारिश का आकाल पड़ा है। इस बीच मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश स्थानों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। सोमवार को सुबह से ही प्रदेश में बादल छाए हुए हैं। राजधानी रायपुर सहित दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा, बस्तर आदि संभागों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। 9 जुलाई के बाद अधिकांश स्थानों में गरज चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक चक्रवती परिसंचरण दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास मध्य पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर औसत समुद्र तल से 5.8 और 7.6 किलोमीटर के मध्य स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। 11 जुलाई तक अधिकांश जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं दक्षिण भागों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, रायपुर समेत प्रदेश के कई जगहों पर बारिश रुक गई थी। इससे अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही उमस भी बढ़ गया था। हालांकि अब मानसून सक्रिय होने से प्रदेशभर में बारिश हो रही है।

पेंड्रा, सोनहत और कोंटा में हुई सर्वाधिक बारिश

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पेंड्रा, सोनहत और कोंटा में रिकॉर्ड की गई । यहां 30 मिली मीटर बारिश हुई । गीदम, दोरनापाल, जगरगुंडा में 20 मिलीमीटर हुई। रायगढ़, मनेंद्रगढ़, मरवाही ,बरमकेला में 10 मिलीमीटर बारिश हुई है। इसके अलावा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा आदि जिलों में दिन भर बादल छाए रहे और कई हिस्सों के हल्की से मध्यम वर्षा रिकार्ड किया गया है। आने वाले कुछ दिनों में प्रदेश भर में अच्छी बारिश की संभावना है।

इन जिलों के लिए मौसम विभाग का यलो अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक 9 जुलाई को बस्तर दंतेवाड़ा सुकमा, दुर्ग ,बेमेतरा कबीरधाम, पेंड्रा बिलासपुर मुंगेली और कोरिया जिले में भी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। बाकी सभी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के पूर्वानुमान के अनुसार 11 जुलाई तक प्रदेश के कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली भी गिर सकती है।

खास-खबर

अलग-अलग जगहों पर छह घंटे के अंदर हुई 300 मिमी बारिश, सड़कों पर भरा पानी; ट्रेनों पर भी असर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश से जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। कई इलाकों में इसके चलते ट्रैफिक व्यवस्था गड़बड़ा गई है। इतना ही नहीं रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। कई मार्ग की ट्रेनों को रोका गया। यही नहीं कुछ इलाकों के स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों को भी बंद करने का आदेश जारी हुआ है।

मुंबई में रविवार देर रात एक बजे से सात बजे तक छह घंटों के बीच ही अलग-अलग स्थानों पर 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। कुछ निचले इलाकों में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया। लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं। आज भी भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। मुंबई के कुछ इलाकों में बीते रोज हुई भारी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वहीं दादर में स्थिति ज्यादा गंभीर होती जा रही है। सड़कों से लेकर रेल मार्ग पर जलभराव हो चुका है। स्थिति यहां तक बनी हुई है कि सड़क पर चल रही कार भी आधी पानी में डूबी हुई हैं। रेलवे ट्रैक पर भी पानी जमा हो गया है।

वहीं मुंबई महानगर पालिका द्वारा छात्रों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए, मुंबई (बीएमसी क्षेत्र) के सभी बीएमसी, सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहले सत्र के लिए अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही स्थिति की समीक्षा के बाद अगले सत्र के लिए निर्णय की बात कही।

सीपीआरओ को कहना है कि सायन, भांडुप और नाहुर स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हैं। पटरियां पानी में डूब गई थीं, इसलिए ट्रेनें करीब एक घंटे तक रोकी गईं। पानी थोड़ा कम होने पर ट्रेन फिर से शुरू की गई हैं। लेकिन ट्रेन सेवाएं अभी भी प्रभावित हैं। वहीं मध्य रेलवे ने बताया कि मुंबई उपनगरीय और हार्बर लाइन पर भारी बारिश के कारण जलभराव के कारण रेल यातायात में देरी हुई। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, कुर्ला-विक्रोली और भांडुप स्टेशन प्रभावित रहे।

आपदा नियंत्रण कक्ष से शहर की निगरानी: बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी आपदा नियंत्रण कक्ष से व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। आपातकालीन नियंत्रण कक्ष के साथ आपातकालीन कर्मचारी और अधिकारी मुंबई में विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं। वे सभी घटनाक्रमों पर नज़र रख रहे हैं। निगम के सभी उपायुक्त, सहायक आयुक्त और अन्य विभिन्न स्थानों पर सक्रिय हैं।

पेट्रोल पंप में लगी भीषण आग, मचा हड़कप

कई वाहन चपेट में; स्थानीय-दमकल वाहन की मदद से पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत इमली छापर स्थित मुस्कान पेट्रोल पंप में रात लगभग दो बजे वक्त हड़कंप मच गया। जब पंप परिसर में खड़ी चार वाहनों में भीषण आग लग गई। पहले तो पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर उस चारपहिया वाहन में लगी आग पर काबू पाया। पेट्रोल पंप में रखें अग्नि शामक यंत्र, रेत और पानी से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग तेज हवाओं के साथ फैलने लगी और एक-एक कर चार वाहन चपेट में स्कूटी, मालवाहक ऑटो और क्रेन तक जा पहुंची।

घटना की सूचना पर कुसमुंडा थाना प्रभारी रूपक शर्मा, एस आई राकेश गुप्ता,आरक्षक लेखराम धीरहे मौके पर पहुंचे और मौके पर जाम भीड़ को आग से दूर रहने की हिदायत दी।साथ ही देते घटनास्थल से नजदीक एसईसीएल कुसमुंडा की दमकल विभाग के साथ कोरबा से दमकल विभाग के वाहन को जल्द से जल्द घटनास्थल पर पहुंचने निर्देश दिया गया।

पेट्रोल पंप से उठी आग की चिंगारी ने एक-एक कर चार वाहन को स्वाहा कर दिया। लगभग एक घंटे बाद महज एक किलोमीटर दूर एसईसीएल की दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और जो वाहनों में अंतिम आग बची थी। उसे बुझाने का काम किया। एसईसीएल दमकल वाहन के पहुंचते ही कोरबा की कोर से एक और दमकल वाहन मौके पर पहुंच चुकी थी।

फिलहाल, दमकल विभाग के वाहनों को वजह से आग पर पूरी तरह से काबू पाया गया। वाहनों के नुकसान के अलावा किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों को लेकर प्रथम दृष्टया पेट्रोल टंकी परिसर में खड़ी डीजी वाहन में शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। कुसमुंडा पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जाएगी।

जीएम नीनु इटियेरा पहुंची रायपुर : अभनपुर, सीबीडी, मंदिर हसौद स्टेशनों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन की महाप्रबंधक नीनु इटियेरा रविवार को रायपुर पहुंची। इस दौरान उन्होंने रायपुर रेल मंडल के अभनपुर, सीबीडी, मंदिर हसौद स्टेशनों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्री से अभनपुर नैरो गैज से ब्रॉड गेज अमान परिवर्तन का कार्य पूर्ण होने पर भविष्य में रेल परिचालन किया जाएगा। महाप्रबंधक महोदया ने इस परियोजना से जुड़े सभी पहलुओं का गहन अध्ययन करते हुए स्टेशन में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया गया तथा कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जीएम ने कार्यों के ले-आउट प्लान का अवलोकन भी किया साथ ही संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधाओं एवं पुर्नविकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। अभनपुर स्टेशन पर नवनिर्मित स्टेशन बिल्डिंग में उन्होने यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक सुविधाओं, ट्रेन परिचालन के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण किया। अभनपुर स्टेशन पर बने गुड्स शेड आवागमन के लिए एप्रोच रोड, सीबीडी स्टेशन की बिल्डिंग का निरीक्षण एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मंदिर हसौद स्टेशन पर हो रहे विकासात्मक कार्यों यात्री सुविधाओं के लिए फुट ओवर ब्रिज टिकट काउंटर का निरीक्षण किया।

जीएम ने कहा कि सभी अमृत भारत स्टेशनों और अन्य स्टेशनों पर दिव्यांगजनों एवं ग्राहको का विशेष ध्यान रखते हुए उनके अनुकूल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों के साथ यात्रियों की सुविधाओं एवं की संरक्षा एवम सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी सहित रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

क्या वाकई सच हो जाएंगी भविष्यवाणियां

श्रीकंचनपथ

ज्योतिषियों और भविष्यवक्ताओं का इतिहास भी लगभग उतना ही पुराना है जितना मानव सभ्यता का. दुनिया भर में होने वाली बड़ी उथल-पुथल भरी घटनाओं के समय अकसर याद आ जाते हैं भविष्यवक्ता। कई बार उनकी भविष्यवाणियां सटीक भी बैठती हैं। भले ही ये भविष्यवक्ता आज हमारे बीच नहीं हैं पर उनकी पुस्तकों से भविष्यवाणियां उद्धृत होती रहती हैं। ऐसे भविष्यवक्ताओं में प्रमुख रूप से फ्रांस के नास्त्रेदमस, भारत के संत अच्युतानंद दास और जर्मनी के बाबा वेंगा का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। साल 2024 के लिए भी इन लोगों ने कुछ भविष्यवाणियां की हैं। इन सभी भविष्यवक्ताओं का मानना रहा है कि 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा भूकम्प आ सकता है। कुछ देशों में विद्रोह और गृहयुद्ध की स्थिति बन सकती है। एक भीषण बाढ़ से दुनिया में हाहाकार मच जाएगा। बाबा वेंगा ने कहा था कि 2024 तक चीन दुनिया की महाशक्ति बन जाएगा। इसके साथ ही धरती का मौसम बुरी तरह प्रभावित होगा। ठंडी जगहें गर्म हो जाएंगी और गर्म जगहें ठंडी हो जाएंगी। ग्लेशियर पिघलने लगेंगे और समुद्र किनारे बसे हुए शहर जलमग्न हो जाएंगे। नास्त्रेदमस का आकलन है कि हिमालय में हजारों साल से तपस्या कर रहे चमत्कारिक और रहस्यमय साधु आबादी के बीच आएंगे। पूर्व का कोई सम्राट मुक्तिदाता बन कर आएगा जिसकी बात सभी लोग मानेंगे। कोई ऐसी खोज होगी जो मनुष्य जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। इसी साल भारत अंतरिक्ष में अपनी विशेष सत्ता कायम कर लेगा। आज देशों के बीच युद्ध हो रहे हैं, चीन ने महाशक्तिशाली रडार तैयार कर लिया है जो हाइपरसोनिक मिसाइलों को भी ट्रैक कर सकता है। इसे अब तक असंभव माना जाता था। मौसम परिवर्तन को लेकर हाय-तौबा तो पिछले कई सालों से मची हुई है पर जिम्मेदार लोगों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। थोड़े से पौधे लगाकर ही हम आज भी पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी जवाबदेही की इतिश्री कर लेते हैं। इस साल मौसम ने ऐसी पल्टी मारी है कि मौसम विभाग भी बारिश को लेकर 24 घंटे तक की जानकारी नहीं दे पा रहा है। जहां तक गृहयुद्ध का सवाल है यहां ब्रिटेन की राजनीति पर एक नजर मार लेना जरूरी होगा। अक्टूबर 2022 को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने ऋषि सुनक को करारी हार का सामना करना पड़ा। वो ब्रिटेन के सबसे दौलतमंद सांसद थे। इसके बाद से ही उनपर आरोप लगते रहे कि उनके जैसे रईस का आम आदमी की परेशानियों से कोई जुड़ाव नहीं है। भारत में भी हालात जुदा नहीं हैं। यहां भी सत्ता जाते-जाते बची है। लोगों को लगता है कि सरकार का गरीब की दुश्वारियों से कोई वास्ता नहीं है। रोजगार स्थिर है जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार इसके बारे में बात तक नहीं करती। पर यहां की राजनीति ब्रिटेन से बहुत अलग है। यहां मानकर चलते हैं कि गरीबी और गरीबों के कष्ट हमेशा बने रहेंगे।

संपादकीय

घातक आरामतलबी

कहने को तो स्वास्थ्य के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ी है और विभिन्न प्रकार के रोगों को लेकर शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में पहले के मुकाबले निवेश भी बढ़ा है, मगर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शोधार्थियों ने अपने हालिया अध्ययन के आधार जो नए तथ्य उजागर किए हैं, वे एक बड़ी चुनौती की ओर इशारा कर रहे हैं, बल्कि एक अलग किस्म की चिंता पैदा करते हैं। द लांसेट में प्रकाशित यह अध्ययन-रिपोर्ट बताती है कि विश्व भर के वयस्कों की एक तिहाई से भी अधिक आबादी या 1.8 अरब वयस्क शारीरिक गतिविधि के अपेक्षित स्तर पर खरे नहीं उतरते, यानी वे पर्याप्त शारीरिक श्रम नहीं कर रहे हैं।

विडंबना यह है कि पश्चिम के विकसित देशों के मुकाबले आरामतलबी या शारीरिक निष्क्रियता की दर एशिया प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण एशिया के वयस्कों में बहुत अधिक दर्ज की गई है। पश्चिम के उच्च आय वाले विकसित देशों के वयस्कों में जहां यह निष्क्रियता-दर 28 फीसदी पाई गई, वहीं एशिया प्रशांत क्षेत्र के उच्च आय वाले देशों के वयस्कों में 48 प्रतिशत और दक्षिण एशियाई संपन्न देशों में 45 फीसदी देखी गई है। साफ है, एशियाई सरकारों के लिए खतरे की सूचना है, क्योंकि यह प्रवृत्ति हृदय रोगों और कैंसर की रोकथाम की उनकी कोशिशों को पलीता लगा सकती है। डब्ल्यूएचओ में स्वास्थ्य संवर्द्धन के निदेशक डॉ. रुडिगर क्रेच ने उचित ही कहा है कि शारीरिक निष्क्रियता वैश्विक स्वास्थ्य के लिए एक मूक खतरा है, जो पुरानी बीमारियों का बोझ बढ़ाती है।

> “ इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि पिछले बारह वर्षों में वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता की प्रवृत्ति पांच फीसदी बढ़ गई है और यही प्रवृत्ति बनी रही, तो 2030 तक ऐसे वयस्कों की संख्या 31 प्रतिशत से बढ़कर 35 फीसदी हो जाएगी। डब्ल्यूएचओ की साफसिफारिश है कि वयस्कों को हर हफ्ते 150 मिनट तक मध्यम गति वाली या 75 मिनट तक तेज शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। ऐसे में, ताजा आंकड़े परेशान करने वाले हैं, क्योंकि शारीरिक निष्क्रियता वयस्कों में हृदय संबंधी रोग के साथ-साथ मधुमेह, डिमेंशिया व कुछ खास तरह के कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है।

बेहतर आर्थिक स्थिति वाले देशों, खासकर दक्षिण एशियाई मुल्कों के वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता क्यों बढ़ रही है, इसको जानने के लिए किसी नजूमी की जरूरत नहीं है। उम्र के जिस हिस्से में वे हैं, उसमें उनका करियर लगभग तय हो चुका है और उनकी जीवन शैली भी एक खास शक्ल अख्तियार कर चुकी है। यहां के ज्यादातर वयस्क अधिक से अधिक सुविधाओं के अभ्यस्त होते जा रहे हैं। वे स्कूटर से कार और फिर कार के आगे हवाई सफर को जरूरत से ज्यादा अपनी हैसियत से जोड़कर देखते हैं। पैदल चलना या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना उनकी निगाह में पिछड़ेपन की निशानी ही है। इसके बरक्स यूरोप के लोगों की सोच अलग है। मिसाल के तौर पर, चौदह वर्षों तक नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रहे मार्ट रट ने हाल ही में जब अपना इस्तीफा दिया, तो अपने उत्तराधिकारी को सत्ता सौंपकर साइकिल से प्रधानमंत्री दफ्तर से निकल गए। सोलह वर्षों तक जर्मनी की चांसलर रहीं एंजेला मर्केल खुद सब्जियां खरीदते हुए बाजार में दिख जाती हैं। हर सुविधा हाथ में चाहिए, इस सोच को बदलना होगा। खासकर भारत जैसे विशाल आबादी वाले व समृद्ध होते देश के वयस्कों को शारीरिक निष्क्रियता के प्रति सतर्क करने की ज्यादा जरूरत है।

नेताओं, कार्यकर्ताओं को जोड़े रखना भी तो चुनौती

सुनील दास

पार्टी एक बार लोकसभा का चुनाव हार जाए तो पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ रखना मुश्किल होता है। दूसरा लोकसभा चुनाव हार जाए तो पार्टी छोड़ने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं का लंबा सिलसिला शुरू होता जाता है। यदि पार्टी तीसरा लोकसभा भी हार जाए तो पार्टी के लिए नेताओं व कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़े रखना और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। राजनीति में माना जाता है कि दल तब ही एकजुट व मजबूत रहता है जब पार्टी सत्ता में रहे। निरंतर सत्ता में रहे। इसके उलट यदि पार्टी निरंतर सत्ता से बाहर रहती है तो न तो वह एकजुट रहती है और न ही मजबूत रहती है। जितनी बार हारती है, उतनी कमजोर होती जाती है। देश में कांग्रेस की ऐसी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी है जो लोकसभा का तीन चुनाव हार चुकी है। इसलिए अन्य क्षेत्रीय दलों की तुलना में उसके लिए अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना सबसे बड़ी चुनौती है। तीन चुनाव हारने के बाद पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को भरोसा नहीं रह जाता है कि अब उनकी पार्टी कोई चुनाव जीतने वाली है। ऐसे में स्वाभाविक है कि वह दूसरे राजनीतिक दलों में अपना भविष्य तलाशने का प्रायस करेंगे। दस साल में जितने कांग्रेस नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उतनी कभी नहीं छोड़ी क्योंकि कांग्रेस पहले एक चुनाव हार जाती थी तो पांच साल बाद दूसरा चुनाव जीत जाती थी। कभी ऐसा नहीं होता था कि कांग्रेस दो चुनाव, तीन चुनाव लागतार हारे। इससे नेताओं व कार्यकर्ताओ में भरोसा रहता था कि एक चुनाव हार गए तो दूसरा चुनाव हम जीत लेंगे। तीन चुनाव हारने के बाद ऐसा भरोसा नहीं रह जाता है तो पार्टी के नेताओं के सामने नेताओं व कार्यकर्ताओं को किसी तरह भरोसा दिलाया जाए कि जल्द ही हमारी सरकार बनने वाली है। चुनाव में तो कांग्रेस को बहुमत मिला नहीं है, उसकी सरकार भी नहीं बनी है, फिर भी राहुल गांधी व कांग्रेस नेता आए दिन यह बयान इसीलिए देते हैं कि मोदी सरकार कमजोर है, वह कभी भी गिर सकती है,उसे तो हम अगस्त में गिरा देंगे। लालू यादव ने जो बयान हाल में दिया है कि अगस्त में मोदी सरकार गिर जाएगी,अपनी पा्र्टी के नेताओं को आश्वस्त करने की कोशिश है कि केंद्र में हमाही सरकार बनने वाली है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गाधी भी यही कर रहे हैं, उन्होंने हाल ही में अहमदाबाद में फिर कहा है कि जिस तरह भाजपा सरकार ने यहां कांग्रेस कार्यालय को तोडा है, हम भाजपा सरकार को तोड़ देंगे. जिस तरह भाजपा को हमने अयोध्या में हराया है, उसी तरह गुजरात में भी अगल चुनाव में हार देंगे। राहुल गांधी को पार्टी को अगले चुनाव तक एकजुट करना है तो यह तो कहना ही पड़ेगा कि अगला चुनाम हम जीतेंगे। लेकिन गुजरात में कांग्रेस दो दशक से चुनाव हारती आ रही है, इसलिए उसके लिए गुजरात में भाजपा को हराना आसान तो नहीं है लेकिन वह यह उम्मीद कर सकते हैं कि दो दशक में भाजपा के खिलाफ जो नाराजगी है, हो सकता है वह अगले चुनाव में उभर कर सामने आ जाए और कांग्रेस के अलावा कोई विकल्प न होने के कारण लोग कांग्रेस को ही चुने।

राहुल गांधी जानते हैं कि कांग्रेस भाजपा को अकेले नहीं हरा सकती।जिस अयोध्या में भाजपा को हराने की बात कर रहे हैं, वह भी झूठ कह रहे हैं, भाजपा फैजाभाद लोकसबा चुनाव हारी है, अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को बढ़त मिली है। भाजपा के लिए अयोध्या एक बड़ा मुद्दा रहा है, इसलिए अयोध्या में भाजपा को हराना कांग्रेस बड़ी घटना बताने का प्रयास कर रही है। हकीकत यह है कि आज भी कांग्रेस को यूपी में जो सफलतका मिली है, उसके पीछे सपा व अखिलेश यादव का सहयोग है। अखिलेश यदि सहयोग नहीं करते तो राहुल गांधी राहबरेली तक नहीं जीत सकते थे। राहुल गांधी को समझने की जरूरत है कि वह झूठ की राजनीति कर एक बार फायदा उठा सकते हैं। जब देश के लोग व पार्टी के लोग भी समझ जाएंगे तो राहुल गांधी व कांग्रेस को झूठ की राजनीति से ऐसा नुकसान होगा कि वह बरसों उसकी भरपाई कर पाएंगे। पीएम मोदी ने सही कहा है कि कांगरेस के मुंह झूठ का खून लग गया है। यही वजह है कि उसके नेता देश के लोगों के साथ ही अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं से भी झूठ बोल रहे हैं ताकि वह पार्टी छोड़कर न जाएं। राहुल गांधी के हर झूठ की पोल तो देरसबेर खुल जाती है। गुजरात में राहुल गांधी ने जो झूठ बोला है, उसकी पोल भी अगले चुनाव में खुल जाएंगी। तब वह गुजरात के नेताओं व कार्यकर्ताओं से क्या कहेंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया: आखिर इन कंगारू अदालतों को संरक्षण कौन दे रहा

पश्चिम बंगाल में 13 साल पहले निजाम बदल गया था। मगर इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों की जमीनी हकीकत नहीं बदली। पूरे देश में भले कानून और सरकार का शासन चलता हो, मगर पश्चिम बंगालके ग्रामीण इलाकों में कंगारू अदालतों का हुक्म सबसे ऊपर है।

प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार

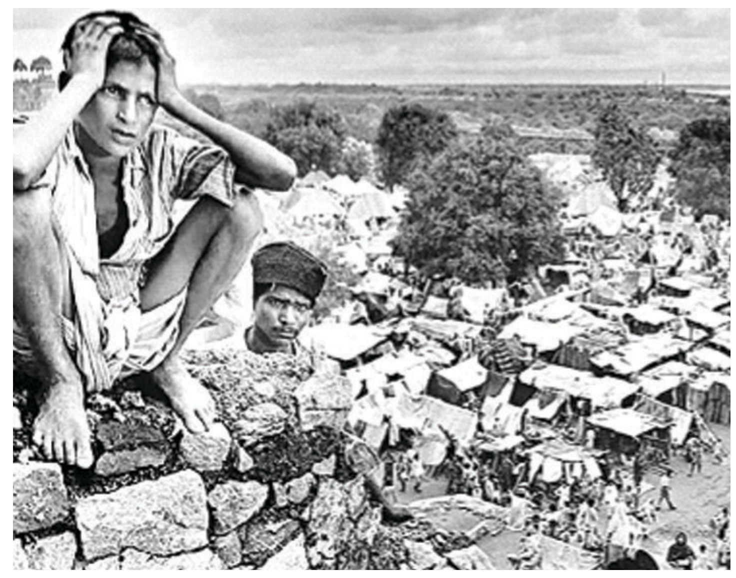

स्थानीय भाषा में इसे 'सालिसी सभा' कहा जाता है। खौफइतना कि इसके फैसले को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। यह अदालत खुद फैसले करती है और खुद ही मौके पर सजा भी दे देती है।

उत्तर दिनाजपुर जिले में इस्लामपुर सब-डिवीजन के चोपड़ा का वायरल वीडियो तेजी से फली-फूली इसी अदालत की ताकत का सुबूत है। यह घटना न तो पहली है और न ही आखिरी। अकेले चोपड़ा इलाके में ही हर महीने औसतन तीन से चार ऐसी सभाएं आयोजित होती रही हैं। उत्तर और दक्षिण बंगाल का कोई भी इलाका त्वरित न्याय की इस असांविधानिक परंपरा से अछूता नहीं है। ऐसे मामलों में सत्तारूढ़ पार्टी के लोग ही जज और जल्लाद, दोनों बन जाते हैं। चोपड़ा की वह घटना भी सामने न आती, अगर दो नौजवानों ने अपनी जान हथेली पर लेकर उसका वीडियो न बनाया और वायरल किया होता। अब सभा के आयोजक उन दोनों युवकों की तलाश कर रहे हैं और उन पर 50-50 हजार रुपये के जुर्माने भी लगाए गए हैं। ग्रामीण इलाकों में इन सभाओं का आयोजन करने वाले दबंगों का इस कदर आतंक है कि ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं ही सामने आ पाती हैं।

इस घटना के बाद स्थानीय तृणमूल विधायक हमीदुल को कारण बताओ नोटिस जारी करने और खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से चेतावनी देने के बावजूद राज्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पूर्व बर्द्धमान जिले के एक ताजा मामले में तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने एक बुजुर्ग दंपति की इसलिए घर में घुसकर पिटाई कर दी, क्योंकि वे दोनों ऐसी ही एक सभा में बुलाए जाने के बावजूद हाजिर नहीं हुए थे। इन सभाओं में अवैध संबंधों, विजातीय प्रेम विवाह, खेत की मेड़ काटने और संपत्ति-विवाद समेत किसी भी स्थानीय विवाद की स्थिति में फौरन फैसला सुनाया जाता है। ये फैसले भी अजीबोगरीब होते हैं। जैसे, कथित दोषियों से जुर्माना वसूलने के अलावा कभी किसी अवैध रिश्ते की कथित दोषी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार का आदेश दिया जाता है, तो कभी पत्नी की कथित पिटाई करने वाले अभियुक्त को पेड़ से बांधकर पीटा जाता है।

राज्य में वाम मोर्चे की सरकार के जमाने से ऐसी अदालतें आयोजित होती रही हैं। राजनीतिक दल भले ही इनकार करें, पर ऐसी तमाम कंगारू अदालतों को स्थानीय राजनेताओं का संरक्षण हासिल होता है। यही वजह है कि इन अदालतों के गैर-कानूनी फैसलों के बावजूद कभी किसी को कड़ी सजा नहीं मिल पाती। वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने इन सभाओं को गैर-कानूनी घोषित कर दिया था, मगर इनका जलवा कम नहीं हुआ। इन कंगारू अदालतों का राज्य की राजनीति से गहरा संबंध है। साल 2004 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने इन सालिसी अदालतों को 'वेस्ट बंगाल ब्लॉक लेवल प्री-लिटिगेशन कौंसिलेशन बोर्ड बिल', यानी सालिसी विधेयक के जरिये इनको कानूनी जामा पहनाने का प्रयास किया था। इसके तहत छोटे विवादों के निपटारे के लिए राज्य के हर ब्लॉक में कौंसिलेशन बोर्डों का गठन किया जाना था। लेकिन विपक्षी कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के जबरदस्त विरोध की वजह से सरकार वह विधेयक विधानसभा में पेश नहीं कर सकी।

बहरहाल, राजनीतिक संरक्षण की वजह से पुलिस-प्रशासन के लोग इसमें कोई दखल देने से बचते हैं। यदि कोई बड़ी घटना घट गई, तो दो-चार लोगों को गिरफ्तार कर मामले की लीपापोती के प्रयास शुरू कर दिए जाते हैं। मौत या हत्या के ज्यादातर मामलों को आत्महत्या का रूप दे दिया जाता है। इन कंगारू अदालतों के फैसले अक्सर बर्बर सामंती दौर की यादें ताजा करा जाते हैं। कोर्ट-कचहरी के चक्कर में उलझने के बजाय लोग आपसी विवादों को सुलझाने के लिए इन सालिसी सभाओं को तरजीह देते हैं। मगर यदि 21वीं सदी में ऐसी अदालतें इतनी प्रभावी हैं, तो यह समाज और तंत्र के माथे पर एक बदनुमा धब्बा है!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोता

प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का काम किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या-अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िए, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर, इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है?

आजकल विभिन्न सामाजिक वगरे में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलता-असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं।

सवाल उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं, जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदा कर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है।

यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं। बिना महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अक्सर इनके मल्टीटैलेंटेड होने का आभास कराती है। ये अक्सर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट (फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं, और इनका बैंक बैलेंस बढ़ाते हैं।

देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर, इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने का काम भी किया जाने लगा। धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। ऐसे काम भी करने लगे जो राज सत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं।

इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ा कर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं, और उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक-साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने-छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तेमाल करती हैं। चूंकि बाबाओं के पास अनुयायियों की अच्छी-खासी संख्या होती है, इसलिए राजनीतिक दलों के लिए वे वोट बैंक का भी काम करते हैं। किसी बात पर आंख मूंद कर विश्वास करने की प्रवृत्ति आज की स्मार्टफोन जेनरेशन से तर्कहीन काम तक करा सकती है। इस वर्ग के लोग आंखें मूंद कर दूसरों का अनुसरण करते हैं, और स्वविवेक का इस्तेमाल करके निर्णय नहीं ले रहे हैं। किसी काम को सिर्फ इसलिए करते हैं, क्योंकि वह सालों से होता आ रहा है, या उसे बहुत सारे लोग कर रहे हैं, और कभी नहीं सोचते कि उसकी उपयोगिता क्या है। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे लोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक और भावनात्मक अंधविश्वासों में जकड़े होते हैं।

इन लोगों का आईक्यू बेहद कम होता है, और इन्हें बेहद आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। ये रैशनली नहीं सोचते, पर इमोशनली बेहद चार्ज्ड होते हैं। इनके दिल में आसानी से किसी चीज के लिए लगाव या नफरत पैदा की जा सकती है, और ऐसा होने पर ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। आंख मूंद कर किया गया विश्वास न सिर्फ इनके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी घातक साबित होता है। कबीर की शिक्षाओं का निचोड़ यही है कि हर तथ्य पर सवाल उठाएं। जब तक खुद उसे परख न लें, तब तक उस पर विश्वास न करें। दार्शनिक प्लूटो ने भी यही कहा है कि शासक हमेशा अनबायस्ड व्यक्ति को ही होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि आज बहुत सारे लोग भीड़ का अनुसरण करने की मानसिकता से ग्रस्त हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

राहुल को युद्ध और हिंसा की सच्चाई समझना होगा

देशवासियों को बेसब्री से इंतजार था और दिलचस्पी भी थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार राहुल गांधी सदन में कौन-सा नया विचार रखेंगे। कौन-कौन से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जिनसे सरकार और प्रधानमंत्री को असहज करेंगे। इतिहास ने उन्हें करोड़ों देशवासियों का दिल जीतने का अवसर दिया था लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक अवसर को गंवा दिया। राहुल खुद को 'एंगरी यंगमैन' के रूप में पेश करते हुए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कह गए कि जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं, वे चौबीस घंटे हिंसा, नफरत और झूठी बातें करते रहते हैं।

देश के समूचे हिन्दू समाज को हिंसक बताकर बहुसंख्यक आबादी को न केवल नाराज किया, बल्कि अपमानित भी कर दिया। जब प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए कहा कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना गलत है, यह गंभीर विषय है। इसके बाद राहुल को समझ में आया कि वह गलती कर बैठे हैं और अपनी गलती को सुधारते हुए उन्हें कहना पड़ा कि वह भाजपा के बारे में बोल रहे थे। भाजपा, आरएसएस या प्रधानमंत्री मोदी पूरा हिन्दू समाज नहीं हैं।

सबसे दिलचस्प बात यह थी कि राहुल भगवान शिव, भगवान बुद्ध, महावीर, गुरुनानक देव की तस्वीर लेकर सदन में आए थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए ईसा मसीह और पैगम्बर मोहम्मद साहिब का भी जिक्र किया और कहा कि ये सभी अभय मुद्रा में हैं। यह सच है कि इन सभी महापुरुषों ने शांति और अहिंसा का संदेश दिया है और यह भी सच है कि कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं करता।

लेकिन राहुल किसी भी महापुरुष के दर्शन और विचार को न परिभाषित कर पाए, न व्याख्यायित कर पाए और न सदन के जरिए देशवासियों को ही समझा पाए। पौराणिक ग्रंथों में सुर-असुर संग्राम की चर्चा है। धर्म की रक्षा के लिए शिव, कृष्ण आदि देवताओं ने भी हथियार उठाए हैं। चाहे शिवाजी हों या महाराणा प्रताप, सभी के जीवन में युद्ध करने के अवसर आए हैं। पिछले दो वर्षो से समूचे विश्व का ध्यान रूस-यूक्रेन और फिलिस्तीन-इस्राइल युद्ध की ओर गया है।

मानवीय हिंसा और युद्ध गहरी चिंता और घृणा के विषय हैं, लेकिन यह भी सच है कि पिछले दो विश्व युद्ध भी मानव जाति को युद्ध और हिंसा की आग में जलाने से रोक नहीं पाए। राहुल गांधी को युद्ध और हिंसा की सचाई को समझना होगा। कोई भी सभ्य समाज हिंसा का समर्थन नहीं करता।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

कठिन आर्थिक दौर से ब्रिटेन को बाहर निकालने का श्रेय ऋषि सुनक को ही जायेगा

नीरज कुमार दुबे

ब्रिटेन की जनता ने इस बार के आम चुनाव में सत्ता पलट दी है। महंगाई की सर्वाधिक मार झेलने वाली ब्रिटेन की जनता ने कंजरवेटिव पार्टी को चुनावों में कड़ा सबक सिखाया है जिसके चलते प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को माफी मांगते हुए यह कहना पड़ा है कि मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। वैसे चुनाव के नतीजे जो भी रहे हों लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि ऋषि सुनक ने अपने देश को कठिन आर्थिक परिस्थितियों के दौर से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था। मुद्रा बाजार में स्टर्लिंग (ब्रिटेन में प्रचलित मुद्रा) कमजोर दिख रही थी। एक सफल बैंकर और वित्त मंत्री रहे सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही बजट घाटे को काबू में किया, सरकार के खर्चों में कटौती की और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लेकर आये लेकिन वैश्विक संघर्षों के चलते बाधित हुई सप्लाई चेन की वजह से बढ़ती महंगाई को वह नहीं रोक पाये। इसके अलावा चूंकि उनकी पार्टी पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में थी इसलिए ब्रिटेन में इस बार बदलाव की जोरदार लहर चल रही थी जोकि परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है।

वैसे ब्रिटेन के आम चुनावों में बदलाव होने वाला है इसके संकेत पिछले साल हुए उपचुनावों में ही मिल गये थे। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऋषि सुनक की वैश्विक लोकप्रियता में तो इजाफा हुआ था लेकिन ब्रिटेन में पिछले साल तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अब आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी को अपने इतिहास की सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सवाल खड़ा हुआ है कि क्या सुनक की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही थीं? सवाल यह भी उठा है कि कंजरवेटिव पार्टी को गलत नीतियों की सजा चुनावों में मिली या पार्टी को एकजुट नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है? सवाल यह भी है कि क्यों कंजरवेटिव पार्टी के नेता और सांसद ही अक्सर विवादों में रह कर सुनक की मुश्किलें बढ़ा रहे थे?

इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। अब कंजर्वेटिव पार्टी के जो लोग जीत कर आये हैं वह प्रभावी विपक्ष की भूमिका सही से निभा पाएंगे, इसके बारे में विश्लेषकों को संदेह है। माना जा रहा है कि लेबर पार्टी को कुछ वर्षों तक खुली छूट मिली रहेगी।

जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो आपको बता दें कि ऋषि सुनक तो चुनाव जीत गये लेकिन उनके मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक उत्तरी इंग्लैंड में अपनी रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेकिन रक्षा मंत्री ग्रांट शेप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और मिशेल डोनेलन जैसे बड़े नेता चुनाव हार गये। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के बहुमत से काफी ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करते ही ऋषि सुनक ने हार स्वीकार कर ली और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने किंग चार्ल्स से मिलकर अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री के रूप में देश को आखिरी बार संबोधित करते हुए कहा, मैंने देश सेवा में अपना सब कुछ लगा दिया है, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा और आपका निर्णय ही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि मैंने आपके गुस्से, आपकी निराशा को समझा है और मैं इस नुकसान की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि सभी कंजर्वेटिव उम्मीदवारों ने अथक परिश्रम किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासों के अनुरूप परिणाम नहीं दे सके।

वैसे ऋषि सुनक के लिए राहत देने वाली बात यह है कि भारतीय पहचान वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विरासत सुरक्षित रहेगी। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले 44 वर्षीय ऋषि सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए कई असंभव कार्य किये थे। उस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का नाम पार्टीगेट स्कैंडल में सामने आया था जिससे वह अलोकप्रिय हो गए थे। ऋषि सुनक को अक्टूबर 2022 में दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया था। तब उन्होंने 210 साल में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश प्रधानमंत्री और देश के पहले अश्वेत नेता के रूप में प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया था। साउथेम्प्टन में जन्मे सुनक के माता-पिता-सेवानिवृत्त डॉक्टर यशवीर और फार्मासिस्ट उषा सुनक भारतीय मूल के हैं, जो 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन पहुंचे थे। उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति तथा शिक्षिका, लेखिका एवं वर्तमान में भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा की सदस्य सुधा मूर्ति की बेटी हैं। सुनक जब स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में छात्र थे तब उनकी मुलाकात अक्षता से हुई थी। सुनक पहली बार 2015 में यॉर्कशायर के रिचमंड से संसद सदस्य चुने गए थे।

बहरहाल, ब्रिटेन कभी राजनीतिक स्थिरता के लिए प्रसिद्ध था लेकिन 2016 में यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद से उसकी हालत खस्ता है। पहले कोविड-19 महामारी से उपजी चुनौतियों ने संकट बढ़ाया तो उसके बाद सार्वजनिक सेवाओं और जीवनयापन की बढ़ती लागत ने दिक्कतें बढ़ा दीं। देखना होगा कि नई सरकार चुनौतियों पर कैसे विजय पाती है?

(ये लेखक के विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

भिलाई के चिकित्सकों ने पखांजूर में शिविर लगाकर दी सेवा

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई में निवासरत विभिन्न पद्धतियों (पैथी) के चिकित्सकों ने बस्तर में पखांजूर से 20 किमी दूर विवेक नगर बांधे,पी.बी.89 में आयोजित चिकित्सा शिविर में भागीदारी दी और यहां के ग्रामीणों का नि:शुल्क उपचार किया। विनोद बिहारी आश्रम के तत्वावधान में आयोजित इस चिकित्सा शिविर में डॉ अचिंत्य पोद्दार व डॉ बाबी सिंह ने 118 मरीजों की जांच की गई। शिविर में मधुमेह की नि:शुल्क जांच की गई और चिह्नित मरीजों को दवाएं व खान-पान से संबंधित सलाह दी गई। इस शिविर को सफल बनाने में विशनु दास गोसाईं, निमाई मण्डल, देवाशीष मलिक, अमोल सरकार, रेखा और शकुंतला विश्वास ने आश्रम की तरफसे सेवाएं प्रदान की। भिलाई से सुब्रत चौधरी, आशीष सरकार, अमलान गुहा राय, अपूर्व राय तथा पल्लव चटर्जी ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की। डॉ बीडी सिंह ने मरीजों के आंखों की निशुल्क जांच की। विवेक नगर के सरपंच के तरफसे प्रताप, राम कृष्ण, प्रबीर तथा प्रीति भूषण ने शिविर के संचालन में भरपूर मदद की।

छात्रों को साक्षात्कार में आने वाली समस्याओं पर दिए टिप्स

दुर्ग। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलिटेक्निक दुर्ग में लिटरेरी क्लब का उद्घाटन अतिथि व्याख्यान के साथ किया गया। प्राचार्य पीके पांडे ने क्लब के सदस्यों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इस क्लब के माध्यम से छात्र संस्था की पत्रिका बनाने के लिए प्रेरित होंगे और इस प्रकार के अतिथि व्याख्यान जो कि इंटरव्यू स्किल्स पर आधारित हैं, छात्रों के कैंपस चयन में सहायक होगा। विषय विशेषज्ञ डॉ. वाय. विजय बाबू ने छात्रों को साक्षात्कार के दौरान आने वाली समस्याओं प्रश्नों और उनके उत्तर के लिए जानकारी दी। साथ ही उन्होंने छात्रों के पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। क्लब की संयोजक डॉ. राखी जंघेल ने क्लब के उद्देश्यों को बताया। आईटी एवं सीएस की विभागाध्यक्ष ममता अग्रवाल, इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकम्युनिकेशन की विभागाध्यक्ष डॉ. हिमानी अग्रवाल ने सदस्यों को बैच लगाया। क्लब के सदस्य सुगंध गुप्ता, राहुल सिप्पी, टिकेश्वरी साहू ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम में गुलशन ठाकुर, चांदनी पटेल, डॉ. शांति शर्मा, साधना शुक्ला, श्रेयस द्विवेदी सहित अन्य उपस्थित थे।

रामनगर मुक्तिधाम के तीन स्कूलों में होनहार छात्रों को बांटा गया बैग

भिलाई। शासकीय उमा विद्यालय, पूर्व माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला मुक्तिधाम रामनगर में विधायक रिकेश सेन के निर्देश पर प्रतिनिधि दिनेश सेन ने मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल बैग का वितरण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य उन परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय दबाव को कम करना था जो अपने बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में पढ़ने यूनिफार्म, किताबें, जूते, स्टेशनरी और अन्य चीजों का खर्च उठाने संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें सहायता की जरूरत को समझते हुए यह पहल की गई। शाला के सभी मेधावी छात्रों को स्कूल बैग बांटा गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व एल्डरमैन प्रतीक उमरे, प्राचार्य अमोद कुमार सिंग, प्रधानपाठक अशोक देवांगन, विशाल वर्मा सहित छात्र व शिक्षक उपस्थित थे।

दुर्ग से चले गरीब रथ एक्सप्रेस, विधायक रिकेश ने लिखी केंद्रीय रेल मंत्री को चिट्ठी, चार अन्य ट्रेनों के स्टापेज की भी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रायपुर से लखनऊ के बीच चलने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस को दुर्ग से चलाने की मांग की गई है। इस संबंध में विधायक रिकेश सेन ने केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। विधायक रिकेश ने दुर्ग में स्टापेज से वंचित ट्रेनों के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यानाकर्षण कराया और दुरंतो, कर्मभूमि एक्सप्रेस जैसे कई ट्रेनों के लिए आवश्यक सुझाव दिए हैं। इससे पुणे, ओडिशा, महाराष्ट्र, कोलकाता, आसाम, उत्तर प्रदेश, बिहार से भिलाई दुर्ग में रह कर शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय तथा यहां रह कर अन्य राज्यों में सर्विस कर रहे युवाओं के लिए रेल सुविधाएं मिले इसके लिए आवश्यक पहल जरूरी है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने केंद्रीय रेल मंत्री को लिखे पत्र में? कहा है कि भिलाई दुर्ग जो कि छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा नगर एवं एक कॉस्मोपॉलिटन सिटी है। यहाँ अटक से लेकर कटक तक एवं कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के विभिन्न राज्यों के हर नागरिक बहुतयात में निवासरत हैं। शिक्षाधानी के रूप में देश विदेश में प्रख्यात भिलाई में आस पास राज्य के बच्चे शिक्षा लेने आते हैं और यहाँ से पढ़े लिखे बच्चे अपनी सेवाएं देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्र में दे रहे है।? यहां एशिया का सबसे बड़ा भिलाई स्टील प्लांट स्थापित है, भारत देश के रेल मंत्रालय अधीन भारतीय रेल की पटरियों का निर्माण भिलाई स्टील प्लांट द्वारा ही किया जाता है।

विधायक रिकेश ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी के साथ ही भिलाई दुर्ग में बहुत से इंजीनियरिंग एवं अन्य कॉलेज, विभिन्न कोचिंग संस्थान होने से देश के विभिन्न क्षेत्र के बच्चे यहां पढ़ाई करते हैं। जीएसटी एवं अन्य टैक्सेज कलेक्शन में भी भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा राजस्व हब है तथा रेलवे राजस्व के मामले में भी दुर्ग का स्थान राज्य में रायपुर के बाद दूसरा ही है परन्तु उसके बाद कई ट्रेन का ठहराव विगत 10 वर्षों से दुर्ग स्टेशन पर नहीं हो रहा है। ट्रेन संख्या 22865/22866 जो हफ्ते में एक बार छत्तीसगढ से गुजरती है और मुंबई के लोकमान्य तिलक से चलकर ओडिशा राज्य के पुरी तक जाती है इसका ठहराव दुर्ग में न होकर रायपुर, बिलासपुर के बाद रायगढ़ है।

इसी प्रकार ट्रेन संख्या 12879/12880 जो हफ्ते में दो बार छत्तीसगढ से गुजरती है और? मुंबई के लोकनान्य तिलक से चलकर ओडिशा के भुबनेश्वर तक जाती इसका ठहराव भी दुर्ग में न देकर रायपुर, बिलासपुर के बाद चांपा एवं रायगढ़ में दिया गया है। इसी तरह कर्मभूमि एक्सप्रेस 22511/22512 जो हफ्ते में एक बार छत्तीसगढ़ से गुजरती है और मुंबई के लोकमान्य तिलक से चलकर कामाख्या देवी तक जाती है। यह छत्तीसगढ़ राज्य से होती हुई आसाम जाती है जिसका ठहराव दुर्ग में न होकर रायपुर, बिलासपुर के बाद खरसिया एवं रायगढ़ में दिया गया है जिससे भिलाईवासी कामाख्या देवी के दर्शन से वंचित हो जाते हैं।

इसके अलावा दुरंतो एक्सप्रेस 12221/12222 जो हफ्ते में दो बार छत्तीसगढ़ से गुजरती है और पुणे से कोलकाता चलती है इसका ठहराव राज्य के रायपुर एवं बिलासपुर में ही दिया गया है जबकि दुर्ग ठहराव से पुणे में पढ़ रहे अनेक बच्चे, उनके अभिभावक, व्यपारीगण एवं मराठा समुदाय के लोगो को पुणे जाने के लिए एक अन्य ट्रैन का विकल्प मिल जाएगा। राजधानी एक्सप्रेस 12441/12442 एवं वन्दे भारत एक्सप्रेस 20825/20826 जैसे बड़ी ट्रेनों का ठहराव दुर्ग में दिया गया है, अगर ये समस्त चारों ट्रेन यहां रुकती हैं तो दुर्ग से रेलवे को बहुत अच्छा राजस्व प्राप्त होगा एवं मात्र 5 मिनट के ठहराव से यहां के व्यापारी एवं रहवासियों को भी अनेक विकल्प मिल जायेंगे। विधायक रिकेश ने कहा कि 12535/12536 गरीब रथ जो हफ्ते में दो बार रायपुर से चल कर लखनऊ तक जाती है, का विस्तारीकरण दुर्ग तक करना चाहिए क्योंकि दुर्ग में न सिर्फ राज्य का बिलासपुर के बाद दूसरा सबसे बड़ा ट्रेनों को रखने के लिए यार्ड है अपितु यहां ट्रेनों की सफाई के लिए भी उच्च प्रबंध है। इस ट्रेन के दुर्ग तक विस्तार से उत्तर प्रदेश जाने के लिए एक और विकल्प मिलेगा एवं भिलाई दुर्ग में निवासरत उत्तर प्रदेश के लोग बड़े तोर पे लाभान्वित होंगे। जिस प्रकार सारनाथ एक्सप्रेस जो कि कई दशकों से दुर्ग से चलकर बिहार तक जाती थी। गरीब रथ का भी विस्तार दुर्ग तक अवश्य होना चाहिए। विधायक सेन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव लिखे पत्र में आगे कहा है कि इन समस्त ट्रेन का ठहराव दुर्ग में न कर यहां के लोगों को विगत कई सालो से उपेक्षित किया जा रहा है। भारतीय रेलवे को पटरी प्रदाय करने वाले शहर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी जैसे विभिन्न शैक्षणिक संस्थान वाले शहर को इस गंभीर विषय पर राहत देने अवश्य विचार करना चाहिए क्योंकि इस निर्णय से उत्कल, बांग्ला, यूपी, बिहार, आसाम सहित कई राज्यों के लोग जो दुर्ग भिलाई में निवासरत हैं उनकी यात्रा सुविधा को विस्तार और बड़ी सहुलियत मिलेगी।

प्रभु जगन्नाथ की रथ खींचने श्रद्धालुओं में लगी रही होड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा रविवार को शहर के प्राचीन आमदी मंदिर स्टेशन चौक और किल्ला मंदिर तमेरपारा से पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ निकाली गई। फूलों से सुसज्जित रथ खींचने श्रद्धालुओं में होड़ लगी रही। रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ के साथ भगवान बलभद्र व बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए पूरे रास्तेभर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह रहा।

जनप्रतिनिधियों ने भी रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और शहर की सुख समृद्धि व खुशियाली के लिए कामना की। स्टेशन चौक स्थित प्राचीन आमदी मंदिर से दोपहर बाद रथयात्रा शुरु हुई।

यह रथयात्रा गाजे-बाजे के साथ ग्रीन चौक, अग्रसेन चौक, हरनाबांधा चौक, पोलसायपारा चौक, इंदिरा मार्केट, पटेल चौक, राजेन्द्र पार्क चौक, सिंधी कालोनी क्षेत्र का भ्रमण कर वापस रेल्वे स्टेशन स्थित आमदी मंदिर पहुंची। इसी प्रकार तमेरपारा स्थित प्राचीन किल्ला मंदिर से निकली रथयात्रा तमेरपारा से बरईपारा, हटरी बाजार, जवाहर चौक, गांधी चौक, सदर बाजार, कोष्टापारा, ब्राम्हणपारा, चंडी चौक, मठ मंदिर, शिवपारा, गवलीपारा, ढीमरपारा, बनियापारा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वापस किल्ला मंदिर पहुंची। रथयात्रा में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। रथयात्रा के दौरान आमदी मंदिर व किल्ला मंदिर समिति के पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में सक्रिय रहे। वहीं सुरक्षा के लिहाज से रथयात्रा के भ्रमण के दौरान पुलिस बल अलर्ट रही।

संगठनों के कार्यक्रम में कलेक्टर और निगम आयुक्त ने लगाए पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संगठन अजेय भारत सामाजिक एवं धार्मिक संगठन, हॉकी एसोसिएशन और यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को सतरुपा शीतला मंदिर के सामने हॉकी ग्राउंड सिविल लाइन में 100 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने बतौर अतिथि शामिल होकर पौधे लगाए। आयोजन की सराहना की। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, एमआईसी प्रभारी दीपक साहू, भोला महोबिया ने भी पौधे लगाए और दूसरों को भी एक

पेड़ अवश्य लगाने प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में हॉकी खिलाड़ियों, विद्यार्थियों ने भी उत्साह के साथ पौधे लगाकर अपनी जिम्मेदारी निभाई।

कर्बला के शहीदों की याद में बीतेंगे 10 दिन, तैयारियां शुरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कर्बला में हक के लिए अपनी कुर्बानी देने वाले शहीदों की याद में एक से दस मोहर्रम यानि 08 जुलाई सोमवार से 16 जुलाई मंगलवार तक शहर में कई आयोजन होंगे। इन 10 दिनों में तकरीर, लंगर, अलाव, अखाड़े और ताजियादारी के साथ स्वास्थ्य शिविर व सम्मान समारोह की भी तैयारी है। मुहर्रम के आयोजन से पहले रविवार की शाम से अलग-अलग अंजुमनों में तैयारियां शुरू हो गईं। वहीं शिया समुदाय के इमामबाड़े में भी मुहर्रम की तैयारियां चल रही है।

शहर के विभिन्न हिस्सों में अंजुमनों ने करबला के शहीदों की याद में अलम (झंडा)

लगाया और 10 रोज के मुहर्रम की शुरुआत की। इसी तरह अखाड़ों में करतब के लिए अभ्यास शुरू हो गए हैं। वहीं ताजियेदार इस साल भी अपने-अपने ताजिये बनाने में जुट गए हैं। इस बार भी शहर में उत्तर प्रदेश-बिहार से कारीगर आए हुए हैं, जो आकर्षक और कलात्मक ताजिए बना रहे हैं।

अंजुमन शहीदीया सुपेला चौक इमामबाड़े में रविवार को फातिहा ख्वानी के बाद मुहर्रम की शुरूआत हुई। यहां अंजुमन से जुड़े नौजवानों ने अखाड़े की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं 10 दिन तक जगह-जगह लंगर भी होगा।

सूफी संत बाबा भोला शफी शाह रहमतुल्लाह अलैहि की खानकाह ग्राम बीरेभाठ नंदिनी एयरोड्रम के पास मुहर्रम पर आयोजन होंगे। इनमें 7 मुहर्रम को अलम (झंडा) लगाया जाएगा और कर्बला के शहीदों को खिराजे अकीदत पेश की जाएगी।

मुहर्रम के मौके पर अंजुमन हुसैनिया कमेटी खुर्सीपार भिलाई में हर साल की तरह इस बार भी कई आयोजन होंगे। अंजुमन कमेटी के सदर हुसैन अली अशरफी ने बताया कि इस साल पैगंबर हजरत मुहम्मद के वंशज आले नबी औलादे अली फर्जंद ए गौसे आजम हुजूर हजरत सैयद आलमगीर अशरफ अशरफी उल जिलानी की सरपरस्ती में सारे आयोजन होंगे। इलाहाबादी पंचायती ताजिया इमामबाड़ा सड़क 20 जोन--1 खुर्सीपारा भिलाई में जिक्र-ए-शोहदाए कर्बला 1 से 9 मुहर्रम तक रखा गया है। 8 जुलाई से 16 जुलाई तक होने वाले इस आयोजन में हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती कलीमुल्लाह खान रिजवी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश तकरीर करेंगे। इस इजलास की कयादत हाफिज महमूद रजा, मौलाना जाकिर रजा, हाफिज मोहम्मद इमरान, हाफिज व कारी खालिद नूरानी मक्का मस्जिद निजामी चौक, हाफिज अब्दुल कुद्दूस, मौलाना मोहम्मद इसरार, मोहम्मद आरिफ अशरफ, मौलाना शहजाद आलम, हाफिज महमूद गौहर करेंगे। निजामत कमालुद्दीन अशरफी करेंगे।

उन्होंने बताया कि पांच मोहर्रम 12 जुलाई सोमवार की दोपहर बाद नमाज जोहर आलिमा की तकरीर होगी। इसी दिन 12 जुलाई को अंजुमन हुसैनिया की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी खुर्सीपार में किया गया है। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। इसके उपरांत 8 मुहर्रम 15 जुलाई को समाज में विशिष्ट योगदान देने वाली शख्सियतों का सम्मान किया जाएगा।

युवोदय स्वयंसेवा कार्यक्रम ने पूरे किए एक वर्ष

जिला प्रशासन के साथ सामाजिक योगदान में महत्वपूर्ण भूमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला प्रशासन दुर्ग, यूनिसेफछ.ग एवं एग्रिकॉन फाउंडेशन के संयुक्त पहल कार्यक्रम युवोदय स्वयंसेवा कार्यक्रम ने अपने पहले वर्ष की सफलता के साथ एक नया मील का पत्थर छू लिया है। इस कार्यक्रम की शुरुवात 7 जुलाई 2023 को हुई थी इस कार्यक्रम में अभी 700 से अधिक स्वयंसेवकों ने जुड़कर जिले में विभिन्न सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर जिला प्रशासन का सहयोग किया है।

कार्यक्रम के दौरान, युवोदय स्वयंसेवकों के द्वारा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भागीदारी, किशोर किशोरी स्वास्थ्य, नशा मुक्ति में समुदाय को जोड़कर कार्य, माहवारी स्वच्छता, मतदान जागरूकता, और पौधा रोपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर 200 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है। उनके समर्पण और

निरंतर प्रयासों से जिले में इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं।

सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के अभियान ने लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में मदद की। आओ बात करे मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कारण लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जगरूकता बढ़ी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित अभियानों में युवोदय युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दिया। किशोर किशोरी स्वास्थ्य और माहवारी स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों ने जागरूकता फैलाने और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को कम करने में मदद की। नशा मुक्ति अभियानों में नशीली पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। मतदान जागरूकता अभियानों में लोगों को अपने मताधिकार का सही उपयोग करने के प्रति प्रोत्साहित किया। पौधा रोपण अभियानों ने हरित जिले के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में आज क्या सिखा और पढ़ाई का कोना के बारे में स्वयंसेवकों के द्वारा स्कूलों में जाकर शिक्षकों के मदद से छात्र-छात्राओं को जानकरी दिया जा रहा है, हम होंगे कामयाब परीक्षा के समय मानसिक स्वास्थ्य को रखने हेतु ऐसे 100 से अधिक स्कूलों में कार्य क्रम किया जा चुका है, जिससे हजारों बच्चों को फायदा मिला है। इसके साथ ही पालक-शिक्षक मीटिंग, गृह भेंट के माध्यम से ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास युवोदय स्वयंसेवको के द्वारा किया जायेगा।

जिला प्रशासन के सहयोग से युवोदय स्वयंसेवकों ने इन सभी क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य किया है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा, युवोदय स्वयंसेवक कार्यक्रम ने जिले में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम इस कार्यक्रम की सफलता पर गर्व महसूस करते हैं और भविष्य में भी ऐसे ही सामाजिक कार्यों में उनके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यूनिसेफ छ.ग सामाजिक व्यवहार परिवर्तन विशेषज्ञ अभिषेक सिंह ने कहा यह एक वर्ष उन सभी स्वयंसेवकों की मेहनत, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भविष्य में भी यह कार्यक्रम इसी तरह से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

बड़ा मंदिर में प्राचीन स्फटिकमणी प्रतिमाओं का अभिषेक और विशेष शांति धारा

रायपुर (ए.)। राजधानी के मालवीय रोड स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के जिनालय में पार्श्वनाथ बेदी के समक्ष आध्यात्मिक प्रयोगशाला के माध्यम से 7 जुलाई, तिथि : आषाढ़ शुक्ल शुक्ल तृतीया, निर्माण संवत 2550 दिन : रविवार को प्राचीन आरंग के चमत्कारिक स्फटिकमणी की प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया। बड़ा मंदिर ट्रस्ट कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने बताया कि दिगंबर जैनीयों के 1400 वर्ष के प्राचीन स्थान आरंग खंडहरों से जो रायपुर से 22 मील दूर है अष्टधातु के सिंहासनों सहित निकली हुई ये स्फटिकमणी की भव्य प्रतिमाओं को असाद सुदी 2 संबत 1954 को गंगाधर गंधर्व से प्राप्त कर रायपुर दिगम्बर जैन समाज ने विराजमान किया था। इन चमत्कारिक प्रतिमाओं के दर्शन एवं अभिषेक पूजन से विशेष फल प्राप्त होते है। साथ ही गृहस्थ को आत्मकल्याण के लिये पंच-परमेष्ठी भगवान का अभिषेक शांति धारा स्तुति एवं पूजन प्रतिदिन करना चाहिए।

प्रात 8.30 बजे पार्श्वनाथ बेदी में प्राचीन प्रतिमा 23 वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान को पांडुक्षीला में विराजमान कर प्रासुक जल से अभिषेक उपरांत शांति धारा की गई। अष्ट द्रव्यों से पूजन कर अर्घ्य समर्पित किए गए। आज की रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांतिधारा करने का सौभाग्य अमरचंद जैन को प्राप्त हुआ। आज की शांति धारा का शुद्ध उच्चारण कोषाध्यक्ष दिलीप जैन द्वारा किया गया। तत्पश्चात सभी ने भगवान की आरती की और अष्ट द्रव्यों से निर्मित अरिच्छेद पार्श्वनाथ भगवान का पूजन कर अर्घ्य समर्पित किए। अंत में महाअर्घ्य चढ़ा कर विसर्जन पाठ पढ़ कर विसर्जन किया गया। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रेयश जैन बालू,अमरचंद जैन, दिलीप जैन ,सुरेश मोदी, कुमुद जैन, प्रणीत जैन, राशु जैन, धीरज गोधा, श्रद्धेय जैन, राज जैन, प्रत्युष जैन, अक्षत जैन विशेष रूप से उपस्थित थे।

आवेदनों की निगरानी और निराकरण की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ को अच्छा लगा

गुजरात को भा गई छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना,जल्द आएंगे अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महती योजना महतारी वंदन योजना का पूरे देश में डंका बजने लगा है। जिन राज्यों को इसकी जानकारी हो रही है सभी न केवल सराहना कर रहे हैं बल्कि अपने राज्यों में लागू करने के लिए प्रस्ताव भी मांग रहे हैं। हाल ही में सूबे के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा गुजरात गए थे, वहां उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं कल्याण के लिए तैयार जा रही महतारी वंदन योजना की भी जानकारी दी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस योजना की सराहना की और इसे एक आदर्श पहल बताया। उन्होंने अपने अधिकारियों को इस योजना को गुजरात राज्य में लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए।उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से शुभकामनांए और उन्हें छत्तीसगढ़ आने का न्योता दिया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूर्व में हुई मुलाकात में सीएम डैशबोर्ड के सबंध में हुई चर्चा एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार गुजरात राज्य के सीएम डैशबोर्ड का अवलोकन किया। स्वर्णिम संकुल 2, जनसंपर्क इकाई, मुख्यमंत्री सचिवालय में उन्होंने टेक्नोलॉजी के प्रयोग से विभिन्न आवेदनों के निगरानी व निराकरण प्रयोगों का अध्ययन किया। स्वर्णिम संकुल 2 में उपमुख्यमंत्री ने टेक्नोलॉजी आधारित निगरानी प्रणाली का निरीक्षण किया और इसकी कार्यप्रणाली को समझा। इस अवसर पर चिप्स (छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी) के सीईओ रितेश अग्रवाल और चिप्स की टेक्निकल टीम भी मौजूद थी। गुजरात की टीम ने उपमुख्यमंत्री को टेक्नोलॉजी आधारित निगरानी की कार्यप्रणाली और इसके प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने टेक्नोलॉजी के प्रयोग से आवेदनों के त्वरित और प्रभावी निराकरण की सराहना की। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी का सही उपयोग प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रणाली नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान में सहायक साबित होगी। गुजरात की टेक्नोलॉजी टीम ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से आवेदनों की निगरानी और निराकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया गया है। यह प्रणाली नागरिकों को अपनी शिकायतों और आवेदनों की स्थिति का ऑनलाइन ट्रैकिंग करने की सुविधा भी प्रदान करती है।

पुलिस कर्मियों के परिजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास : विजय

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार शहीद पुलिस सेल का हुआ गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार बनने के साथ ही प्रदेश में विकास की रफ्तार तेजी से बढी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की सरकार में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने राज्य के पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता से निर्णय लेते हुए शहीद पुलिस सेल के गठन के निर्देश जारी किए हैं। इस पहल का उद्देश्य शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों को आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करना है।

विदित हो कि कुछ दिनों पूर्व शहीद पुलिस कर्मियों के परिजन अपनी समस्याओं को लेकर उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा से मिले थे और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया था तब उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें आश्वासन दिया था कि शीघ्र मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा कर उनके समस्याओं के निराकरण के प्रयास किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि प्रत्येक रेंज पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में शहीद पुलिस सेल का गठन किया जा रहा है। इस सेल का मुख्य उद्देश्य शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों की समस्याओं का निराकरण करना है। सेल में रेंज पुलिस महानिरीक्षक अध्यक्ष होंगे वही रेंज मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रेंज पुलिस महानिरीक्षक द्वारा नामांकित उप पुलिस अधीक्षक व निरीक्षक स्तर के अधिकारी सदस्य होंगे।

शहीद पुलिस सेल शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय बुधवार को इकाई स्तर, रेंज स्तर, तथा पुलिस मुख्यालय स्तर पर बैठक आयोजित करेंगे। इस बैठक में परिवारजनों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा और निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। बैठक के दौरान, परिवारजनों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर भी मिलेगा। बैठक के अतिरिक्त, प्रत्येक बुधवार को शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों के लिए अलग से समय निर्धारित किया गया है, ताकि वे अपने मुद्दों को पेश कर सकें। इसके लिए आवश्यकता अनुसार व्यवस्था के निर्देश दिए गए है। जिससे शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजन उपस्थित हो सकें। यदि किसी कारणवश इकाई बैठक के माध्यम से समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता है, तो रेंज स्तरीय शहीद पुलिस सेल के माध्यम से निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। यदि रेंज स्तरीय शहीद पुलिस सेल के स्तर पर निराकरण न हो सके तो पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित शहीद पुलिस द्वारा निराकरण कराया जायेगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों की समस्याओं का समुचित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निर्देश जारी किए गए हैं। यह पहल पुलिसकर्मियों के परिवारजनों को मानसिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा की यह पहल शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास है। यह सुनिश्चित करता है कि जिन पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनके परिवारजनों की देखभाल और सहायता सुनिश्चित की जाए।

कैंसर जांच शिविर में 200 से ज्यादा महिलाओं ने कराई जांच

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ की सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ ने बाल्को कैंसर अस्पताल के साथ मिलकर निः शुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं में बढ़ते हुए कैंसर के मामलों को ध्यान में रखते हुए उन्हें जागरूक करना और उनकी जांच करना था।

इस कैंसर जांच शिविर में रायपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों से भी महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं के लिए मेमोग्राफी और पेप स्मीयर जांच की सुविधा उपलब्ध थी। शिविर में लगभग सौ से अधिक महिलाओं ने अपनी जांच करवाई। संस्था ने आश्वासन दिया कि कुछ कैंसर पीड़ित महिलाओं को यथासंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

शकुंतला फाउंडेशन ने पहले भी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को लेकर जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया है, जिससे मरीजों को राहत मिल सके। शिविर में दंतचिकित्सक डॉ. अभिषेक मिश्रा और रोशन शर्मा ने अपनी सेवाएं दीं और मरीजों के दांतों का चेकअप किया। बाल्को कैंसर अस्पताल से डॉ. दामिनी साहू, मार्केटिंग मैनेजर विजेन्द्र कुमार साहू, टेक्निशियन संजना, और नर्सिंग स्टाफ ममता नेताम, कल्पना वर्मा ने अपनी बेहतरीन सेवाएं दीं। शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के इस आयोजन में फाउंडर स्मिता सिंह, होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. अनुश्री पाठक, सुभदा पाठक, पदमा घोष, अपर्णा चांडक, सुषमा बग्गा, हासी बैनर्जी, गायत्री मिश्रा, डॉ. रोशन, गोविन्द अग्रवाल, और सोनल राजेश की सराहनीय भूमिका रही। खान-पान सहयोग मामस किचन की प्रतिभा पाठक ने किया। सभी मरीजों ने शकुंतला फाउंडेशन और बाल्को अस्पताल के नेक प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया।

शहर को नशामुक्त बनाने तेरापंथ महिला मंडल का करेंगे सहयोग - प्रमोद दुबे

रायपुर। रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे लंबे अरसे से नशामुक्ति अभियान को लेकर विभिन्न स्तर पर लोगों को जोड़कर कार्य कर रहे हैं। रायपुर प्रवास के दौरान जब तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं महामंत्री नीतू ओस्तवाल को इसकी जानकारी हुई तो वे अपनी टीम के साथ सभापति से मिलने नगर निगम मुख्यालय पहुंची। इसी अभियान से वे लोग भी जुड़े हुए हैं। तेरापंथ महिला मंडल को श्रेष्ठ अनुशाषित संगठन के अवार्ड से नगर निगम के सभापति एवं पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने सम्मानित किया और रायपुर को नशामुक्त शहर बनाने में उनसे सहयोग मांगा।

तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने इस अवसर पर श्री दुबे को अवगत कराया कि तेरापंथ महिला मंडल द्वारा देश भर में शिक्षा ,प्रकृति के लिये पेड़,एवं नशा मुक्ति अभियान के बारे में अभियान किस प्रकार संचालित किए जा रहे हैं। उद्यानों के रखरखाव से लेकर बच्चों को पढ़ाई की ओर जोडने और उनकी मदद करने का बड़ा जिम्मा इस संगठन ने ले रखी है। प्रमोद दुबे ने आग्रह किया कि रायपुर में नशाखोरी के चलते कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं तथा अपराध भी इन्हीं सब कारणों से बढ़ रहे हैं जो चिंतनीय है,तो ऐसे समय मे तेरापंथ महिला मंडल रायपुर में वृहद जागरूकता अभियान चला कर रायपुर को नशामुक्त शहर बनाने के लिए आगे आये। मंडल की रायपुर इकाई ने इस पर ठोस अभियान चलाने में सभी का सहयोग मांगा तो सभी लोगों ने इस अभियान में हर प्रकारके सहयोग का संकल्प लिया। इस अवसर पर कल्पना बैद, ज्योति जैन, रमन पटवारी, सरिता बरलोटा, संगीता बाफना, रायपुर ब्रांच की अध्यक्ष नेहा जैन,मधुर बछावत, प्रमिला बरलोटा, प्रतिभा पोकरना सहित नगरनिगम के अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सेवाभावी कार्यों के कारण ऑफिसर्स एसोसियेशन को दान में मिला भूखंड

ग्राम टेमरी में बनेगा हेल्थ क्लीनिक और प्रशिक्षण केन्द्र बनेगा

रायपुर (ए.)। सेवाभावी कार्य करने से लोग स्वयं ऐसी संस्थाओं को मदद करने के लिए आगे आते है जो सही मायने में बिना स्वार्थ के जरूरमंदों की मदद करते हैं। ऐसी ही एक संस्था छत्तीसगढ़ सिक्ख आफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन को वुमेन्स लायंस क्लब रायपुर की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती कमलेश चावला ने वीआईपी रोड पर ग्राम टेमरी में स्थित एक भूखंड दान में देकर एसोसियेशन के कार्य को सराहा है।

सन् 2018 में गठित संस्था छत्तीसगढ़ सिक्ख आफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन सरबत का भला के उद्देश्य से सेवानिवृत और सेवारत सिक्ख अधिकारियों का एक संगठन है। एसोसियेशन पिछले छह वर्षों से स्वास्थ्य शिक्षा और पारिवारिक परामर्श के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। एसोसियेशन के संयोजक जीएस बॉम्बरा ने आज वुमेन्स लायंस क्लब रायपुर की संस्थापक श्रीमती कमलेश चावला व्दारा जनसेवा के लिए दिए भूखंड का दान दिए जाने पर उनका आभार व्यक्त करते हुए उनके मुख्य आतिथ्य में भूखंड तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में सामूहिक रुप से पौधरोपण किया। एसोसियेशन के सचिव बीएस सलूजा ने बताया कि दान में मिले इस भूखंड पर हेल्थ क्लीनिक और युवाओं के लिए प्रशिक्षण और कोचिंग सेन्टर हेतु भवन का निर्माण किया जाएगा।

हरियाली को बढ़ाने की दिशा में पिछले कुछ सालों से कार्य कर रही संस्था ग्रीन आर्मी और छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन और वुमेन्स लायंस क्लब रायपुर ने इस अवसर पर गुरु की अरदास करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। नए भूखंड और उसकेआसपास के क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ सिक्ख आफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन, ग्रीन आर्मी और वुमेन्स लायंस कल्ब रायपुर के सद्स्यों ने इस मौके पर जामुन, आवंला, आम,अमरुद, कटहल, नीम और कटहल को पौधों का रोपण किया। ग्रीन आर्मी की श्रीमती हरदीप कौर पूरबा के अनुसार यहां की भूमि काफी उपजाऊ है तथा भूमि में नमी होने के कारण पौधों का विकास तीन सालों में हो जाएगा। पौधरोपण के इस अवसर पर एसोसियेशन के संयोजक जीएस बॉम्बरा, सचिव बीएस सलूजा, कोषाध्यक्ष चतर सिंह सलूजा, जगदीश सिंह जब्बल, दीप सिंह जब्बल, डीएस राजपाल, एलएस चावला, अमोलक सिंह छबड़ा, जगपाल सिंह, सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, भूपेन्द्र सिंह, पिंकी जब्बल, हरमिन्दर कौर सलूजा, लांयस क्लब की डॉ. रविन्द्र बॉम्बरा, ग्रीन आर्मी के गुरदीप सिंह टुटेजा, आशीष शर्मा, सुनील कर्माकर, रवि ठाकुर, हरदीप कौर पूरबा शामिल थे।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने नवागढ़ में जैतखाम निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने रविवार को बेमेतरा जिले के नवागढ़ में अनुसूचित जाति प्राधिकरण मद से 99 लाख 31 हजार की लागत से निर्मित हाने वाली जैतखाम का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि बाबा गुरू घासीदास ने समाज को एकता, भाईचारे, तथा समरसता का संदेश दिया है। बाबा के आदर्शो पर चलने का प्रेरणा मिलती है। बाबा ने मनखे-मनखे एक समान का संदेश देकर समाज में ऊंच नीच के भेदभाव को मिटाने का प्रयास किया।

गिरौदपुरी धाम में कुतुबमीनार से ऊंचा जैतखाम भी बनाया गया है ।सतनामी समाज द्वारा नवागढ़ के सतनाम मंगल भवन में गुरु असम दास जी तेलासपुरी धाम खपरीडीह खुर्द के सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर नगर पंचायत नवागढ़ की अध्यक्ष श्रीमती मंजूलता अजीत रात्रे, अध्यक्ष नगर पंचायत मारो घनलाल देशलहरे, जिला पंचायत सदस्य अंजू बघेल, श्रीमती गिरजा कुर्रे, ताराचंद जांगड़े, हेमलाल धृतलहरे जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे ।

मृत्युंजय को अंग्रेजी में मिली पीएचडी की उपाधि

रायपुर (ए.)। शोधार्थी मृत्युंजय शर्मा ने मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर से अंग्रेजी में पीएचडी उपाधि हासिल की है। साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता ब्रिटिश उपन्यासकार काज़ुओ इशिगुरो के सभी उपन्यासों में विषयगत विभिन्नता का मूल्यांकन विषय पर अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है। मृत्युंजय शर्मा मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. वसंत गवई के मार्गदर्शन से अपना शोध कार्य पूरा किया।

बाह्य परीक्षक के रूप में शासकीय महिला महाविद्यालय दुर्ग के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मौसमी भट्टाचार्या ने उनके शोध प्रबंध जांच की एवं प्रशंसा की। डॉ. मृत्युंजय शर्मा बीके शर्मा के पुत्र है। उन्होंने अपनी सफलता के लिए अपने परिवार और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। वर्तमान में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय अंतागढ़, कांकेर में व्याख्याता के रूप में पदस्थ है। स्कूल के प्राचार्य गौतम सिन्हा एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

गिप्पी ग्रेवाल की अरदास सरबत दे भले दी का टीजर जारी, जैस्मीन भसीन संग जमी जोड़ी

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री वह इंडस्ट्री है, जिनकी फिल्में नॉर्थ जोन के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी दर्शक देखना पसंद करते हैं। बता दें, पंजाब इंडस्ट्री की कई हिट फिल्में हैं, जिन्होंने दूसरे प्रदेश के लोगों के दिलों में यह खास जगह बनाई है। अगर गिप्पी ग्रेवाल की बात करें तो वह पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के एक जाना माना चेहरा हैं। जहां उनकी पंजाब में ही नहीं दूसरी जगह भी काफी लंबी फैंस फॉलोइंग है। गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म अरदास सरबत दे भले दी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर दर्शकों के सामने आ गया है।

बता दें, साल 2016 में आई गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म अरदास को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिलने के बाद इसकी दूसरी किस्त अरदास करण भी मनोरंजन करने के लिए साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब दर्शक अरदास की तीसरी किस्त यानी अरदास शरबत दे भले दी का इंतजार कर रहे थे। जो की जल्द ही दर्शकों के बीच में आने वाली है। जहां इस फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। जिसमें दर्शक गिप्पी ग्रेवाल के अलावा अपने दूसरे पसंदीदा एक्टर्स को भी देख सकते हैं। आप फिल्म के टीजर का मजा यहां ले सकते हैं।

फिल्म में गिप्पी की जोड़ी अभिनेत्री जैस्मिन भसीन के साथ बनी है। जहां आप टीजर की झलक में साफ-साफ देख सकते हैं। बता दें, फिल्म में जैस्मिन के अलावा गुरप्रीत सिंह, कंवलजीत सिंह जैसे एक्टर्स अहम किरदार में नजर आए हैं। वहीं फिल्म का निर्देशन गिप्पी ने किया है और कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। यह फिल्म 13 सितंबर 2016 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अवार्ड शो में शारिब से एक पल की मुलाकात और हो गई दोस्तीः अमृता खानविलकर

एक्ट्रेस अमृता खानविलकर अपकमिंग सस्पेंस और मिस्ट्री थ्रिलर 36 डेज को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस सीरीज में उनके को स्टार शारिब हाशमी हैं। अमृता, शारिब की दोस्ती को अहम मानती हैं और उस पल को अनमोल मानती हैं जब दोनों मिले थे। दिलचस्प बात यह है कि दोनों का कनेक्शन 2021 से है तब जब अमृता ने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड थमाया था। अब यह दोनों 36 डेज में रील-लाइफ जोड़ी के तौर पर दिखेंगे।

सीरीज के रिलीज होने से पहले अमृता ने शारिब संग दोस्ती का किस्सा शेयर किया। उन्होंने 2021 के एक अवार्ड फंक्शन का जिक्र किया। अमृता खानविलकर ने कहा, हम पहली बार एक ओटीटी अवार्ड फंक्शन में मिले थे और एक ही पल में दोस्ती की चिंगारी भड़क उठी थी। मैंने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड सौंपा था और वो मेरे लिए एक गर्व का पल था क्योंकि मैं जानती थी कि वो एक समर्पित और टैलेंटेड अभिनेता हैं।

अमृता ने कहा, अपने काम के लिए शारिब का समर्पण सच में प्रेरणादायक है। वेब सीरीज 36 डेज में उनके साथ काम करना बेहतरीन एक्सपीरियंस रहा है। हमारे किरदार- ललिता और विनोद एक मजबूत और गहरा रिश्ता शेयर करते हैं और ऐसे संबंधों को प्ले करना सच में चैलेंजिंग (चुनौतीपूर्ण) और फुलफिलिंग था। उन्होंने आगे कहा, ऐसा अक्सर नहीं होता है कि आपको ऐसा को-स्टार मिले जो आपकी परफॉर्मेंस के स्तर को बढ़ाए, लेकिन शारिब के साथ बिल्कुल वैसे को स्टार हैं। फिलहाल मैं दर्शकों के रिएक्शन को लेकर उत्साहित हूं। देखना चाहती हूं कि वो सीरीज में हमारे बीच की केमिस्ट्री और इमोशन्स की गहराई को देख कैसे रिएक्ट करते हैं।

सीरीज 36 डेज में शारिब ने विनोद शिंदे का किरदार निभाया है। वह गोवा के होटल एमराल्ड ओशन्स स्टार सुइट में जनरल मैनेजर हैं। तो अमृता ने ललिता का किरदार निभाया है, जिसका अतीत उथल-पुथल भरा है। सीरीज 36 डेज में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, सुशांत दिवगीकर, श्रुति सेठ और चंदन रॉय सान्याल भी हैं। 36 डेज का प्रीमियर 12 जुलाई को सोनी लिव पर होगा।

40 की उम्र में भी नहीं थम रही आमना शरीफ की हॉटनेस

मिनी स्कर्ट में शेयर की फोटोज

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग लग रहे हैं। आमना शरीफ जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं।

तो फैंस उनके हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाई हील्स, हाथों में छोटा सा बेग, ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। आमना शरीफ आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच शेयर होते ही ट्रेंड करने लगता है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ स्विमिंग पूल के पास खड़े होकर एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस आमना शरीफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार वेब सीरीज आधा इश्क में नजर आई थीं। इस सीरीज में उन्हें मां के रोल में देखा गया था।

दीपिका पादुकोण ने पहली बार साड़ी पहनकर बेबी बंप के साथ दिया पोज

रणवीर सिंह ने किया ये कमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकओण इन दिनों प्रेग्नेंट हैं और आए दिन अपने प्रेग्नेंसी लुक्स और स्टाइल से फैन्स को इंस्पायर करती रहती हैं। अब उनकी एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें एक बार फिर उनका स्टाइल और लुक ऑन पॉइंट लगा और फैन्स तारीफकिए बिना नहीं रह पाए। दीपिका ने ये लुक एक पार्टी के लिए लिया था और इस बार वो किसी वेस्टर्न ड्रेस में नहीं बल्कि एथनिक लुक में नजर आईं। दीपिका ने पर्पल कलर की एक खूबसूरत साड़ी पहनी और इस साड़ी को उन्होंने बेबी बंप के साथ बड़ी ही खूबसूरती से कैरी किया। दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें शेयर कीं। इनमें से एक तस्वीर में दीपिका बेबी बंप के साथ पोज देती दिख रही हैं और तस्वीर कितनी खूबसूरत और स्टाइलिश लग रही है ये तो आप देख ही सकते हैं।

रणवीर कपूर ने तस्वीर को बताया अपना बर्थडे गिफ्ट

बता दें कि 6 जुलाई को रणवीर सिंह अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में जब उन्होंने दीपिका की तस्वीर देखी तो कमेंट करने से पीछे नहीं रहे। दीपिका की फोटो पर कमेंट करते हुए रणवीर ने लिखा, हाय मेरा खूबसूरत बर्थडे गिफ्ट। लव यू। रणवीर के इस कमेंट को भी फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा फॉलोअर्स दीपिका की भी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक ने लिखा, ग्लोइंग मम्मी। एक फैन बोला, क्वीन दीपिका और कोई नहीं। एक ने कमेंट किया, ऐसे ही इतनी अच्छी लगती हैं और जरा सी तैयार हो जाएं तो बस देखने वालों की तो चांदी ही हो जाती है।

'अब अस्पताल भी नहीं जा सकती' प्रेग्नेंसी की खबरों पर आखिरकार सोनाक्षी ने तोड़ी चुप्पी

सोनाक्षी सिन्हा अपनी शादी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने 7 साल डेट करने के बाद जहीर इकबाल से शादी कर ली थी। पिछले दिनों सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी को लेकर अफवाह उड़ी थी। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया है। सोनाक्षी जल्द ही जी-5 पर रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म ने नजर आने वाली हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को अपने लॉन्ग टर्म ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी कर ली। यह एक इंटिमेट वेडिंग थी जिसमें फैमिली और फ्रेंड्स से कुछ ही लोगों को इनवाइट किया गया था। शादी सोनाक्षी के बांद्रा वाले घर में हुई जोकि एक सिविल मैरिज थी। इसके बाद शाम को ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया। इस शादी की वजह से कई लोग सोनाक्षी सिन्हा को ट्रोल कर रहे थे क्योंकि उन्होंने एक मुस्लिम लड़के से शादी की। इस शादी में ना तो निकाह पढ़ा गया और ना ही फेरे हुए, ये रजिस्टर्ड मैरिज थी। अब शादी के लगभग 12 दिन बाद सोनाक्षी सिन्हा ने ट्रोलिंग पर जवाब दिया है।

शादी के बाद क्या बदलाव आया?

जूम को दिए एक इंटरव्यू में सोनाक्षी ने शादी के बाद अपनी लाइफ के बारे में बात करते हुए कहा, यह इससे बेहतर कभी भी नहीं रहा। इसकी खूबसूरती यही है कि मैं भी काफी हद तक वैसा ही महसूस कर रही हूं। मुझे खुशी है कि शादी से पहले मेरी जिंदगी बहुत अच्छी थी और अब मैं उसी स्थिति में वापस आ गई हूं। मैं काम पर वापस आकर बहुत खुश हूं।

वहीं कुछ दिन पहले सोनाक्षी का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था जिसमें वो और जहीर इकबाल अस्पताल से बाहर आ रहे थे। इस बात पर तंज कसते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, शादी के बाद एकमात्र बदलाव यह आया है कि अब हम अस्पताल नहीं जा सकते क्योंकि जैसे ही आप निकलते हो लोगों को लगता है कि आप प्रेग्नेंट हो। यही एकमात्र अंतर है।

रितेश देशमुख के साथ आएंगी नजर

सोनाक्षी सिन्हा को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में फरीदन का किरदार निभाते देखा गया था। अब सोनाक्षी बहुत जल्द रितेश देशमुख और सकीब सलीम के साथ काकुड़ा में नजर आएंगी। ये फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

खास खबर

छात्रावास आश्रम के बच्चों के चेकअप के लिए निजी डॉक्टरों से 10 जुलाई तक पंजीकृत डाक से आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले में संचालित छात्रावास आश्रम में वर्ष 2024-25 हेतु प्रवेश किये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए स्वस्थ तन स्वस्थ मन योजना 2007 अंतर्गत सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के निजी प्रैक्टिशनरो जिनकी योग्यता एमबीबीएस, बीएएमएस एवं बीएचएमएस डिग्रीधारी चिकित्सकों से एक या एक से अधिक संस्थाओं के लिए 10 जुलाई 2024 तक पंजीकृत डाक से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। पंजीकृत डाक रजिस्ट्री या स्पीड पोस्ट के डिलीवरी होने में दूरी के हिसाब से समय लगता है, ऐसे में 10 जुलाई अंतिम तिथि के मद्देनज़र आवेदकों को तुरंत ही आवेदन पंजीकृत डाक से भेजना होगा। निजी प्रैक्टिशनरों चिकित्सकों को जिले में स्वीकृत 50 सीटर छात्रावास आश्रमों के छात्र छात्राओं के लिए चिकित्सकीय परीक्षण हेतु 750 रुपए प्रति भ्रमण एवं 100 सीटर छात्रावास आश्रम के छात्र-छात्राओं के चिकित्सकीय परीक्षण हेतु 1200 रुपए प्रति भ्रमण मानदेय भुगतान दिया जाएगा। निजी चिकित्सक माह में कम से कम दो बार छात्रावास आश्रमों के छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। निजी चिकित्सक प्रत्येक छात्रावास आश्रम के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत एक स्वास्थ्य पंजी में विवरण दर्ज करेंगे। इच्छुक निजी चिकित्सक अपने लेटर पैड में आवेदन पत्र के साथ शासकीय या मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज, संस्था से उत्तीर्ण चिकित्सक डिग्री एवं चिकित्सकीय कार्य का सक्षम अधिकारी द्वारा जारी अनुभव प्रमाण पत्र, वर्तमान पता तथा भारतीय स्टेट बैंक के खाता का प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति के साथ कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कलेक्ट्रेट सारंगढ़ में 10.07.2024 तक कार्यालय समय में पंजीकृत डाक से भेजा जाए।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

राजनांदगांव। रियासत कालीन प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर जमात पारा छुईखदान में आषाढ़ शुक्ल दूज सात जुलाई 2024 को भगवान श्री जगन्नाथ , बलभद्र भैया, एवं बहन सुभद्रा मैइया एक साथ सिंहासन पर बैठाकर तोरण -पताका से सजे रथ पर सवार होकर रथयात्रा पूरे शहर में भ्रमण कराया गया। जस गीतों की प्रस्तुति भले बिराजें हो उड़ीसा जगन्नाथ पुरी में ठाकुर भले बिराजें हो आदि सैकड़ों गीतों की प्रस्तुति सहित भगवान बेड़ी हनुमान जी का निशान पताका लेकर भक्तिभाव से रथ के रस्सी को भक्तजन खींचते हुए जय श्री जगन्नाथ स्वामी के जयघोष करते हुए रथयात्रा निकाली गई । राजपरिवार के सदस्य लतारानी लाल जे के वैष्णव ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की विधिवत पूजा आरती कर रथ पर बिठाया गया तत्पश्चात बैरागी पारा, राजमहल चौंक, बाजार लाईन, ब्राह्मण पारा, महोबिया पारा, जयस्तंभ चौक मेनमार्केट,कंडरा पारा होते हुए हजारों भक्तों की भीड़ सहित मंदिर परिसर पहुंची। रथयात्रा के समय सभी भक्त महिलाएं पुरुष , बच्चे अपने घर के द्वार पर भगवान को पाकर खुशी से जयकारे लगाते पुष्पांजलि अर्पित आरती कर श्रीफल भेंट कर आनंदित होते हुए अपने घर के सामने रथयात्रा की रस्सी खींच कर शामिल होते हैं।

'एक पेड़ मां के नाम' : वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मां के साथ लगाया पीपल का पेड़, कहा-

पेड़ को जीवित रखने के संकल्प के साथ करें पौधरोपण

नगर वन उर्दना में आयोजित हुआ 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम पूरे जिले में हुआ वृहत वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' की अपील लोगों से की है। जिसके तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर व्यापक पौधरोपण का कार्य हो रहा है। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने रायगढ़ जिले के उर्दना स्थित नगर वन में अपनी मां कौशल्या देवी चौधरी के नाम पर उनके साथ पीपल का पेड़ लगाया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का उतना ही महत्व है जितना मानव जीवन का। पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को प्रकृति के बीच जीवन-यापन की परंपरा का निर्वहन करना चाहिए।

विभिन्न किस्म के 611 से अधिक लगाए पौधे

डीएफओ रायगढ़ स्टायलो मण्डावी ने जानकारी दी कि आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, जनसामान्य एवं बच्चो द्वारा पीपल, बरगद, आम, करंज, आंवला, नीम, अमलतास, शोभागर पॉम ट्री एवं चंपा जैसे विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। यहां जन सामान्य के लिए 2 कि.मी. का वाकिंग ट्रैक बनाया गया है। जहां शहरवासी अपनी मां के नाम या विशेष अवसर पर पौधरोपण कर सकते है।

इसके लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और पेड़ों की रक्षा वैसे ही करनी चाहिए जैसे हम अपने बच्चों की करते हैं। किसी भी पेड़ लगाने से ज्यादा उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने स्थानीय देशी किस्म के पौधे जिनकी आयु ज्यादा है उन्हें प्राथमिकता के साथ रोपण करने को कहा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हर व्यक्ति अपने जन्मदिन, माता-पिता के जन्मदिन पर एक पेड़ अवश्य लगाये और जीवित रखें। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि हम सब मिलकर ऐसा प्रयास करे कि आने वाले दो सालों में 50 हजार से ज्यादा पीपल के पेड़ जिले में विकसित हो सके, ताकि रायगढ़ जिला पीपल डिस्ट्रिक्ट के नाम से जाना जा सके, तभी हम एक नई संस्कृति का विकास कर पायेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि रायपुर में कलेक्टर रहते हुए उन्होंने पीपल फॉर प्यूपिल अभियान चलाया था। आज इसी प्रकार नवा रायपुर में भी अभियान चलाकर लगभग 70 हजार पीपल के पौधे रोपे जा रहे है। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने डीएफओ रायगढ़ को नगर वन के ऊपरी क्षेत्र में ट्रेकिंग ट्रेल, वॉच टावर एवं ईको टूरिज्म के रूप में विकसित के निर्देश दिए।

लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का सिलसिला आज पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसी आह्वान पर हम सब इस कार्यक्रम को उत्सव के रूप में मना रहे है। गांव-गांव में भी सभी परिवार इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के लिए एक पेड़ लगाना बहुत ही महान काम है। एक पेड़ मां के समान है। जैसे मां अपने बच्चों को सजाती एवं संवारती है, भोजन कराती है, ठीक उसी तरह एक पेड़ हमें फल एवं शुद्ध हवा देता है।

जिससे हम आज खुली सांस ले पा रहे है, इसलिए मेरा सभी से आग्रह है कि आप भी अपने मानव जीवन में एक पौधे लगाये और उसे पेड़ बनते तक देखभाल करें। राज्य सभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है। इसे सहेजकर रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

पर्यावरण के बिना मनुष्य के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हम सब एकजुट होकर पर्यावरण के सुधार के लिए ऐसा प्रयास करें कि रायगढ़ जिला ग्रीन रायगढ़ के नाम से जाना जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम पूनम सोलंकी, विजय अग्रवाल, पंकज कंकरवाल, आशीष ताम्रकार, सुरेश गोयल, सुषमा खलखो, सत्यनारायण बाबा की माता, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, वनमंडलाधिकारी रायगढ़ स्टायलो मण्डावी, वन मंडलाधिकारी धरमजयगढ़ अभिषेक जोगावत सहित गणमान्य नागरिक एवं जनसामान्य उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री चौधरी ने पौध वितरण वाहन को दिखाई हरी झंडी

आयोजित कार्यक्रम में वित्त मंत्री चौधरी ने शहरवासियों को निरूशुल्क पौधा वितरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान वे पौधरोपण कर हस्ताक्षर अभियान का भी हिस्सा बने। उल्लेखनीय है कि पौध रोपण को प्रोत्साहित करने 1 जुलाई से वन विभाग द्वारा जन सामान्य के पौध रोपण के लिए पौधों का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। ताकि जनसामान्य को फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे आसानी से प्राप्त कर अपने घर एवं आस पास के क्षेत्रों में रोपण किया जा सके।

वृहत पौधरोपण के लिए जिले में चल रहा पीपल फॉर प्यूपिल अभियान

सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर के तर्ज पर जिले में भी पीपल फॉर प्यूपिल अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के 549 ग्राम पंचायतों में लगभग 8 लाख पौधे रोपे जायेंगे। जिसमें नगरीय क्षेत्र में 5 हजार से अधिक एवं 2500 से अधिक स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पौधरोपण किया जाएगा। इसी तरह 200 अमृत सरोवर एवं डबरी निर्माण कर पौधरोपण किया जाएगा। साथ ही पीपल फॉर प्यूपिल अभियान के तहत औद्योगिक क्षेत्रों में 10 हजार पीपल के पेड़ रोपे जायेंगे।

मुख्यमंत्री साय को डॉ पंकज द्विवेदी ने भेंट की अपनी स्वरचित किताब 'द पॉसिबिलिटी'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से यहां उनके निवास कार्यालय में रायपुर के होराइज़न हॉस्पिटल के संचालक डॉ पंकज द्विवेदी ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को डॉ पंकज द्विवेदी ने अपनी स्वरचित किताब 'द पॉसिबिलिटी' की प्रति भेंट की और इस पुस्तक की विशेषताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। डॉ पंकज ने बताया कि 'द पॉसिबिलिटी' का मुख्य उद्देश्य आत्मविश्वास के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छूने और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। यह किताब व्यक्तिगत विकास और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने डॉक्टर पंकज द्विवेदी को उनकी किताब के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री साव की पहल पर बच्ची को मिला नया जीवन

परिजनों ने उप मुख्यमंत्री से मिलकर जताया आभार, कहा आपकी वजह से हमारी बेटी इस दुनिया में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दिल में छेद की गंभीर बीमारी से जूझ रही बिलासपुर की बिटिया को उप मुख्यमंत्री अरुण साव की पहल पर नया जीवन मिला है। उप मुख्यमंत्री श्री साव को बहुत गरीब घर की इस बेटी की गंभीर बीमारी की जानकारी मिलने पर उन्होंने रायपुर के एमएमआई अस्पताल में नि:शुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था करवाई।

ऑपरेशन के बाद बच्ची की हालत में तेजी से सुधार हो रहा है। साव से बच्ची और उसके परिजनों ने शनिवार को बिलासपुर में भेंटकर नि:शुल्क इलाज के लिए आभार प्रकट किया। उप मुख्यमंत्री को देखते ही बच्ची के माता-पिता की आंखों में कृतज्ञता के आंसू छलक आए। उन्होंने कहा आप हमारे लिए भगवान के समान हैं। आपने हमारी बच्ची की जान बचाई है। आपके सहयोग की वजह से ही हमारी बेटी इस दुनिया में है। इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ऐसे ही लोगों की मदद करते रहें।

बिलासपुर के चांटीडीह स्लम क्षेत्र में रहने वाले शीतलदास मानिकपुरी कबाड़ इकट्ठा कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी पत्नी रामेश्वरी बाई गृहिणी हैं। उनकी 13 साल की बेटी दिल में छेद की गंभीर बीमारी से पीड़ित थी। जटिल ऑपरेशन से ही इसका इलाज हो सकता था। पिछले दो वर्षों से ऑपरेशन के लिए वे इधर-उधर भटक रहे थे। उन्हें कहीं से भी कोई सहायता नहीं मिल रही थी।

वे बेबस अपनी बिटिया को इलाज के अभाव में तड़पता देख रहे थे। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण परिवार निजी अस्पताल में ऑपरेशन में होने वाले बड़े खर्च को वहन करने में सक्षम नहीं था। ऐसे में पत्रकारों के माध्यम से उप मुख्यमंत्री अरुण साव को बच्ची की गंभीर बीमारी और परिवार की माली हालत के बारे में जब पता चला तो उन्होंने तत्काल इलाज के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

राजस्व मंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान में रोपा मौलश्री का पौधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन विभाग और भारत स्काउट एवं गाइड के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय अर्जुनी, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में आयोजित वन महोत्सव में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। श्री वर्मा ने विद्यालय परिवार के लोगों को पेड़ लगाने एवं बचाने के लिए संकल्प दिलाया तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शाला परिसर में मौलश्री का पौधारोपित किया।

इसके साथ ही 30.13 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया और स्कूल में अहाता निर्माण एवं प्रार्थना शेड हेतु 10 -10 लाख, पम्प हेतु 2 लाख, प्रयोगशाला एवं शौचालय निर्माण हेतु 8 लाख रूपये देने की घोषणा की।

राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम पर लगाने का सन्देश दिया है। प्रधानमंत्री जी के सन्देश को जन -जन तक पहुँचाने और पर्यवारण की रक्षा के लिए सभी लोग अपनी माँ के नाम पर माँ के साथ पेड़ लगाएं । यदि माँ नहीं है तो उसकी स्मृति में पेड़ लगाएं। उन्होने कहा कि पेड़ लगाना आसान है, लेकिन उसका संरक्षण व देखभाल करते हुए बड़ा करना कठिन है। हमें कठिनाईयों का सामना करते हुए पेड़ को बचाना है। जल, जंगल और जमीन सलामत रहेंगे, तभी हमें प्राण वायु मिलेगा। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ को शांति और समृद्धि के रास्ते पर ले जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सन्देश का अनुपालन करना होगा। उन्होंने भारत स्काउट एवं गाइड के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि सामजिक सद्भाव के साथ पर्यवारण बचाने के काम में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।

भारत स्काउट एवं गाइड्स के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से माँ की आँचल बच्चे को शीतलता देती है उसी तरह बड़े होकर पेड़ हमें शीतल छाया प्रदान करेंगे। कार्यक्रम को पूर्व संसदीय सचिव डॉ सनम जांगड़े, स्काउट एवं गाइड के जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल, स्काउटर खोड़स राम कश्यप ने भी सम्बोधित किया।

वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले में 2 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसी तरह वृहद वृक्षारोपण अंतर्गत 55 हैक्टेयर में 65 हजार एवं नदी तट वृक्षारोपण अंतर्गत 50 हजार पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा किसान वृक्ष मित्र योजना की भी शुरुआत की गई है, जिसमें वाणिज्यिक प्रजाति के पौधे किसानों द्वारा अपने जमीन पर लगाए जाएंगे। 5 एकड़ से कम भूमि पर पेड़ लगाने पर शासन द्वारा शतप्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, वही 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में पेड़ लगाने पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

महतारी वंदन योजनाः समाज में महिलाओं का बढ़ता मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिलाओं में महतारी वंदन योजना को लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है। खास कर गरीब, मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग की महिलाओं को इस योजना से मिलने वाली राशि से काफी राहत मिली है। महिलाओं का कहना है कि इस योजना से महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ गया है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का ही प्रतिफल है कि उन्हें समय पर महतारी वंदन योजना की राशि माह दर माह मिल रही है। महतारी वंदन योजना में इस माह 5वीं किश्त के रूप में एक-एक हजार रूपए की राशि मिली है। राशि के उपयोग से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। यह राशि महिलाओं के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से पहुंच रही है। महिलाओं के खाते में राशि आने से परिवार में भी उनकी पूछ परख बढ़ गई है।

धमतरी के कलेक्टोरेट परिसर में कैंटिन का संचालन करने वाली सहेली संघ स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती हेमा साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को काफी फायदा हो रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा अब नियमित रूप से आर्थिक गतिविधियों के लिए अपना योगदान दे पा रही हैं।

श्रीमती हेमा ने यह भी कहा कि महतारी वंदन योजना से मिल रही राशि से महिलाएं अपने बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार बेहतर प्रबंध कर पा रही हैं। महिलाएं निजी जरूरतों, घरेलू आवश्यकताओं व दैनिक उपयोग की चीजों की खरीदी एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हुई है।

खास खबर

मेडिकल स्टूडेंट की सड़क हादसे में हुई दर्दनाक मौत

जांजगीर-चाम्पा। इन दिनों लगातार सड़क हादसे सामने आ रहे हैं। इन हादसों में हर दिन वाहन चालक अपनी जान गंवा रहे हैं। ताजा मामला जिले के अफरीद गाँव नेशनल हाइवे- 49 का हैं जहां एक मेडिकल स्टूडेंट की दर्दनाक मौत हो गई। यूक्रेन से डाक्टरी की पढ़ाई कर लौटा था। पुलिस के मुताबिक् मृतक का नाम चन्द्रभान लाठिया (33) है। वह शनिवार की रात अपने किसी रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गया हुआ था। वह रात में ही वापस जांजगीर लौट रहा था इसी दौरान उसकी स्कूटी सड़क किनारे खड़ी हाइवा से टकरा गई जिससे चन्द्रभान की मौके पर ही मौत हो गई। सारागांव पुलिस को इस घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखा गया है। जहां आज रविवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया जा रहा हैं कि टक्कर के दौरान स्कूटी की स्पीड काफी ज्यादा थी। इस ठोकर से स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और युवक स्कूटी से 20 मीटर दूर सड़क के बीच जा सामने मुंह के बल जा गिरा, जिसे युवक के चेहरा,सिर, सीने और अन्य जगहों में गंभीर चोटें आई थी।

आठ लाख के इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा (ए.)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान लोन वर्राटू (घर वापस आइये) के तहत छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल उन्मूलन एवं नक्सल पुनर्वास नीति के तहत विश्वास, विकास और सुरक्षा की भावना का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं नये कैंप के विस्तार के परिणाम स्वरूप नक्सली संगठन में सक्रिय आठ लाख के इनामी नक्सली चैतू ने सुरक्षा बल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।आत्मसमर्पित नक्सली चैतू ईरपानार और कडियामेटा क्षेत्र में हुई बड़ी घटनाओं में शामिल था। पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सली ईरपानार और कडियामेटा क्षेत्र में हुई बड़ी घटनाओं में शामिल था। आत्मसमर्पित नक्सली पामेड एरिया कमेटी में पार्टी सदस्य के रूप में और दंडकारण्य सब जोनल कमेटी में कम्युनिकेशन टीम सदस्य के रूप में कार्य कर चुका है। नक्सली संगठन में वर्ष 2021 से पूर्वी बस्तर डिवीजन में कार्यरत कंपनी नंबर 6 का पीपीसीएम नक्सली चैतू ने हिंसा की राह छोड़कर आत्म समर्पण किया है।

सरेआम शराब पीते 13 गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने इंडोर स्टेडियम के पास सरेआम शराब पीते आरोपी गजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा 27 वर्ष, अनिल ध्रुव 28 वर्ष, हेमलाल गायकवाड़ 25 वर्ष व प्रसांत तोरले 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खम्हारडीह पुलिस ने आरोपी विरेन्द्र सेन 32 वर्ष, राजेन्द्र नगरर पुलिस ने आारोपी योगेश ध्रुव 34 वर्ष एवं मुजगहन पुलिस ने आरोपी यशवंत धनगर 24 वर्ष व नितिश पाल 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने आरोपी हेमकुमार साहू 60 वर्ष एवं तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी सुखदेव जांगड़े 24 वर्ष, अरविंद चौहान 33 वर्ष व गोलू भारती 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं माना पुलिस ने आारोपी कमल साहू 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

नक्सलियों ने अपने ही साथी को उतारा मौत के घाट

दिनदहाड़े हुई इस हत्या से इलाके में भय का माहौल

बस्तर (ए.)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर में नक्सलियों ने इस बार अपने ही एक पूर्व साथी नक्सली को मौत के घाट उतार दिया हैं। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से इलाके में भय का वातावरण हैं। माओवादियों ने जिस साथी नक्सली की हत्या की है, वह कोई और नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुका बारसे मासा है। नक्सलियों द्वारा अपने ही पूर्व साथी की हत्या करने पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। आइये जानते हैं आखिर ऐसा क्या हुआ कि नक्सलियों ने अपने ही साथी को मौत के घाट उतार दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, किस्टाराम एरिया कमेटी के सदस्य बारसे मासा पर चार लाख रुपए की इनाम घोषित था। वह करीब तीन मुठभेड़ों में शामिल रह चुका था। उस पर कई थानों में मामले भी दर्ज थे। इसी साल के अप्रैल में बारसे मासा के साथ छत्तीसगढ़ के बस्तर में सक्रिय छह नक्सलियों ने आंध्रा प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। इनमें बारसे मासा के किस्टाराम एरिया कमेटी का सचिव मिथिलेश उर्फ राजू, किस्टाराम एरिया कमेटी का सदस्य और चार लाख रुपए का इनामी वेट्टी भीमा, किस्टाराम एरिया कमेटी की सदस्य वंजाम रामे, पार्टी सदस्य डूडी सोनी और पार्टी सदस्य मड़कम सुक्की ने अपने हथियार डाल दिए थे।

मिली जानकारी के अनुसार, नक्सली अपने पूर्व साथियों के पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देने से नाराज थे। अब ऐसा माना जा रहा है कि बारसे मासा के साथ आत्मसमर्पण किए अन्य साथियों पर भी नक्सली हमला कर सकते हैं। बता दें कि बीते कुछ महीनों से छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबल ऐक्शन मोड में हैं। इस दौरान कई नक्सलियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया है। सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई का असर भी देखने को मिला है। इस दौरान कई नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण भी किया है। सुरक्षाबलों का नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान जारी रहने की संभावना है।

बालिका संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग लड़कियां फरार

राजनांदगांव (ए.)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले स्थित बालिका संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग लड़कियां फरार हो गई है। तीनों किशोरियों में कई अपराधिक मामला दर्ज है। नाबालिग लड़कियों ने बालिका संप्रेषण गृह से वहां मौजूद कर्मचारियों को चमका देकर फरार हो गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, किशोरियों ने गार्ड और होम मेड को बंधक बनाकर स्कूटी लेकर फरार हो गई हैं। मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। मामले में बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरूद्ध तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग बालिका भागी हैं। तीनों बालिका पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, इसमें से दो बालिकाओं पर धारा 302 का मामला दर्ज है। साथ ही एक अन्य बालिका पर 294, 323 और अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है। संप्रेषण गृह से फरार नाबालिगों की सूचना पुलिस को दी गई है। अब मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। तीनों की पता तलाश जारी है। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली पुलिस क्षेत्र में बालिकाओं की तलाश कर रही है।

मामले में राजनांदगांव सीएसपी पुष्पेंद्र नायक ने बताया कि रात्रि हमें सूचना मिली की बालिका संप्रेषण गृह में निरूध्द तीन अपचारी बालिकाएं वहां के गार्ड को और हाउस मेड को बंधक बनाकर स्कूटी लेकर फरार हो गई है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद पता तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही तीनों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बता कि इस मामले में किसी भी कर्मचारी की संलिप्त अभी सामने नहीं आई है, हालांकि अभी जांच की जा रही है। वहां तैनात महिला होमगार्ड ने पकड़ने की बहुत कोशिश की लेकिन नाकाम रही और तीनों किसी भी तरीके से भागने में कामयाब हुए।

रेलवे स्टेशन पर दुर्ग पुलिस की सरप्राइज चेकिंग, यात्रियों के सामान की हुई जांच

संदिग्धों से की गई पूछताछ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस व जीआरपी के बीच आपसी तालमेल व रिस्पांश टाइम बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। पुलिस की टीम को देखकर यात्री सकते में थे। इस दौरान यात्रियों के सामान व टिकट की जांच की गई। ट्रेन से यात्रा करने वालों का परिचय भी लिया गया। इस दौरान कुछ संदिग्ध लोगों को मोहन नगर थाने ले जाया गया जहां उसने पूछताछ की गई। चेकिंग के दौरान यार्ड में आने वाले पार्सल का बीडीएस टीम एवं डॉग स्कॉट द्वारा जांच की गई।

एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक दुर्ग पुलिस, जीआरपी एवं आरपीएफ ने बीडीएस तथा डाग टीम के साथ दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जांच की। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा यार्ड में आने वाले पार्सल का बीडीएस तथा डाग स्क्काड के द्वारा चेकिंग की गई। ट्रेन मे सफर के लिए आने एवं जाने वाले लोगो सामान जांचे और संदिग्ध व्यक्तियों की टिकिट भी चेक की गई। इस दौरान रेल्वे स्टेशन में जो भी संदिग्ध व्यक्ति मिले उन्हें मोहन नगर थाना लाकर पूछताछ की गई। इस चेकिंग का मुख्य उद्देश्य दुर्ग पुलिस एवं रेल्वे पुलिस के द्वारा रिस्पांस टाईम एवं आपसी तालमेल बनाना था।

इस निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाइ नगर सत्यप्रकाश तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक यातायात सतीष ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक चंद्रप्रकाश तिवारी, निरीक्षक मोनिका पाण्डेय थाना प्रभारी मोहन नगर, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, निरीक्षक संजीव कुमार सिन्हा रेलवे पुलिस, जीआरपी से उप निरीक्षक केबी राठौर एवं मोहन नगर एवं रक्षित केन्द्र के कर्मचारी उपस्थित रहें।

जंगल के रास्ते मवेशियों की तस्करी, पुलिस को देख हुए फरार, 15 मवेशियों की बची जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की पुलिस ने पशुओं को तस्करी से बचाया है। मामला जिले के मनोरी चौकी क्षेत्र का है। यहां जंगल के रास्ते मवेशियों को झारखंड ले जाया जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस जब पहुंची तो सारे तस्कर भाग गए। पुलिस ने 15 मवेशियों को तस्करी होने से बचा लिया। इस तरह इन मवेशियों की जान बच गई।

बता दें पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा मवेशी तस्करों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, पुलिस द्वारा निरंतर पशु तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही हुये सैंकड़ों मवेशियों को बरामद किया गया है। यही नहीं फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में एसपी शशि मोहन सिंह को रविवार की सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि मनोरा चौकी क्षेत्र के ग्राम कुजरी जंगल होते हुए झारखंड की ओर कुछ व्यक्ति मवेशियों को क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए तेज गति से ले जाया जा रहा है।

सूचना पर तत्काल चौकी प्रभारी मनोरा एएसआई जय सिंह मिर्रे के नेतृत्व में एक टीम गठित कर मौके के लिए रवाना किया गया। टीम द्वारा कुजरी जंगल में घेराबंदी किया और 15 मवेशियों को बरामद किया। पुलिस को घेराबंदी करते देख तस्करी कर रहे व्यक्ति जंगल की आड़ लेकर फरार हो गए। पुलिस ने 15 मवेशियों को सुरक्षित रखवाया है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि जिला पुलिस जशपुर द्वारा पशु तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है, अभियान में निरंतर सफलता मिल रही है, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये स्पेशल टीम को लगाया गया है।

बिलासपुर खनिज विभाग का एक्शन टीम ने देर रात मारा छापा, वाहन जब्त

बिलासपुर। जिले में खनिकर्म विभाग ने बीती रात में ग्राम कुकुर्दीकला, अमलडीहा, उदयबंद, गतौरा लोधीपारा, लोफंदी, सेंदरी, कछार निरतू और धुरीपारा मंगला क्षेत्र में खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की जांच की। रात लगभग 3 बजे ग्राम कुकुर्दीकला, थाना एवं तहसील-पचपेड़ी में शिवनाथ नदी के भीतर दो नग चैन माउंटेड मशीन को खनिज रेत के अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर नदी के बाहर खड़ा कर जब्त कर सील कर दिया गया है।

दो नग लोड हाइवा को नदी के रास्ते में फंसे होने के कारण चैन माउंटेड मशीन मालिक के सुपुर्दगी में दिया गया। एक हाइवा को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जब्त कर पुलिस थाना पचपेड़ी की अभिरक्षा में रखा गया है।

ग्राम गतौरा में मुरूम मिक्स चिल्ली पत्थर का अवैध परिवहन करते दो ट्रेक्टर को जब्तकर पुलिस थाना सरकंडा के अभिरक्षा में रखा गया है। ग्राम कछार मे खनिज रेत के अवैध परिवहन करते एक ट्रेक्टर को जब्त कर पुलिस थाना कोनी के अभिरक्षा में रखा गया है। सभी के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पिस्टल-कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर मोसिन गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। रायपुर पुलिस ने थाना खरोरा क्षेत्रान्तर्गत नया बस स्टैण्ड पास साप्ताहिक बाजार के सामने पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर मोसिन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 पिस्टल और 1 जिंदा कारतूस जब्त किया गया है। आरोपी थाना सिविल लाईन का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ बलवा, मारपीट, आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास एवं आगजनी सहित एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं, जिसमें आरोपी जेल भी जा चुका है।

दरअसल 7 जुलाई को एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना खरोरा क्षेत्रांतर्गत नया बस स्टैण्ड पास सप्ताहिक बाजार के सामने एक व्यक्ति अपने हाथ में पिस्टल रखा है जो आने-जाने वाले आम नागरिकों को भयभीत कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी खरोरा को आरोपी को पिस्टल के साथ पकड़ने निर्देशित किया गया। जिस पर एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट एवं थाना खरोरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोसीन अली निवासी सिविल लाईन रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके पास 01 नग पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी मोसिन खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से असलहा जब्त कर थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 459/24 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। पिस्टल व कारतूस के संबंध में आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रहीं है।

गिरफ्तार आरोपी में मोसीन अली पिता मोह. हुसैन उम्र 28 साल निवासी तरूण नगर रायपुर जीवन अपार्टमेन्ट के सामने शंकर नगर रोड थाना सिविल लाईन रायपुर के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 333/24 धारा 323, 324, 294, 506, 34 भादवि. का प्रकरण दर्ज है, जिसमें वह लगातार फरार चल रहा था, इस प्रकरण में भी आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

कार्रवाई में निरीक्षक दीपक पासवान थाना प्रभारी खरोरा, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट से प्रभारी निरीक्षक परेश पाण्डेय, आर. आशीष राजपूत, मोह. राजिक, अमित घृतलहरे एवं प्रकाश नारायण पात्रे तथा थाना खरोरा से सउनि. परशुराम साहू एवं आर. सुरेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिंका रहीं।

दर्दनाक हादसा: ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा, एक मजदूर की मौत

बलरामपुर (ए.)। जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिनमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, नेशनल हाईवे (एनएच) 343 औराझरिया घाट में करीब रात 8 बजे मजदूरों से भरा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें एक की मौत हो गई और 3 मजदूर घायल हो गए। घायलों का जिला चिकित्सालय बलरामपुर में इलाज जारी है। मामले की सूचना पर पुलिस पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि मजदूर नल जल मिशन योजना के तहत काम करने के बाद रात में मीतगाई जा रहे थे। सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के मेरठ से छत्तीसगढ़ आए हुए हैं और यहां मजदूरी कर रहे थे। घायलों में दो की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

न्यायालय कक्ष से एसी का आउटर पार

रायपुर (ए.)। राज्य उद्योगिक न्यायालय कक्ष से अज्ञात चोर ने 2 नग एसी का आउटर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनिल पटेल 38 वर्ष काशीराम नगर तेलीबांधा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने राज्य उद्योगिक न्यायालय कक्ष में लगे एसी का 2 नग आउटर पार दिया। चोरी गए सामान की कीमत 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

जमीन बेचकर की ठगी, चार लोगों के खिलाफ जुर्म दर्ज

बिलासपुर (ए.)। सरकंडा के बंगाली पारा में रहने वाली सीमा साहू गृहणी हैं। महिला ने बताया कि उन्होंने 2011 में सरगांव स्थित 75 डिसमिल जमीन को खरीदा था। इसके बाद से जमीन उनके कब्जे में है।

महिला ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व नागोराव शेष स्कूल के पास रहने वाले विजय कुमार हिरानी जमीन पर बाउंड्रीवाल कराने पहुंचा। इसकी जानकारी होने पर सीमा के पति ने मौके पर पहुंचकर आपत्ति की। खरीदार ने बताया कि उसने जमीन खरीद ली है, साथ ही खरीदी के दस्तावेज दिखाए। इसमें उनकी पत्नी की जगह पर किसी दूसरी महिला की तस्वीर थी। उन्होंने इसकी शिकायत सरगांव थाने में की। थाने में कार्रवाई नहीं होने पर महिला ने मुंगेली एसपी कार्यालय में पूरे मामले की शिकायत की।

शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच की। जांच के बाद पुलिस ने विनोबा नगर में रहने वाले विजय गुप्ता, फर्जी महिला और उसके पति व तिफरा पुलिस चौकी के पीछे रहने वाले भरत सोनी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आरोपित की तलाश कर रही है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास-खबर

नगर के कल्याण के लिए विधायक महापौर ने जगन्नाथ प्रभु के रथ को खींचे

भिलाई। प्रभु जगन्नाथ की पवित्र रथ यात्रा के अवसर पर चारों तरफहर्षोल्लास का माहौल था । सभी तरफजय जयकार के बीच में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव महापौर नीरज पाल पहुंच करके पूजार्चना अर्चना किये, श्रद्धा पूर्वक रथ को खींचे। जनसंपर्क विभाग, नगर पाली निगम, भिलाई।

भिलाई के सभी क्षेत्रों में सबके भागीदारी से मनाया गया ड्राई डे

भिलाई। नगर निगम भिलाई के सभी जोन में रविवार के दिन में 10:00 बजे से 11:00 बजे तक सभी क्षेत्रों में ड्राई डे मनाया गया। इसके अंतर्गत नागरिक, नगर निगम के कर्मचारी, अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अपने घरों में कुलर, गमले, मटका, जहां पर भी पानी जमा होने की संभावना है ।उसको साफकिया, उसमें जला हुआ मोबिल ऑयल डाला गया। घरों में खोज खोज करके जहां पर भी पानी जमा होने की संभावना है उसे ढूंढ करके निकल गया। सभी क्षेत्रों में दवा का छिड़काव किया गया। नगर निगम भिलाई के विधायक, महापौर, आयुक्त, सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है। डेंगू के मच्छर हमेशा साफपानी में ही पनपते हैं। हम सबको सचेत रहना होगा ।यह अभियान लगातार जारी रहेगा। नगर निगम भिलाई की पहल अच्छी लग रही है। लोगों को अपने जन्मदिन पर वृक्षारोपण कर रहे हैं। इसी के तारतम में खमरिया रोड अनुष्ठा रेजिडेंसी के निवासियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। सभी लोग कॉलोनी के निवासी मिलजुल कर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए । अपने माता-पिता के नाम वृक्ष लगाए और उसे बड़ा करने का संकल्प लिया । 50 पेड़ लगाए गए, विशेष करके गुलमोहर, आम ,बादाम, नीम, पीपल, पाम ट्री, इत्यादि के पौधे थे। उसे बड़ा करने के लिए एक-एक परिवार के लोग गोद लिए। वृक्षारोपण में विशेष सहयोगी रहे राजेश्वर राव, विपिन दुबे आदि मौजूद रहे।

अवैध रूप से संचालित मांस मटन विक्रय दुकान को बंद कराया गया

भिलाई। नगर निगम भिलाई जोन क्रमांक 4 की टीम भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान देखा गया शिवाजी नगर वार्ड क्रमांक 44 औद्योगिक रोड के समीप अवैध रूप से संचालित करके मांस, मटन का बिक्री किया जा रहा है। नगर निगम की टीम वहां पहुंची उस नोटिस दिए, और अवैध रूप से संचालित हो रहे मटन, मांस दुकान को बंद करवाया । नगर पाली निगम अधिनियम के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति कहीं पर भी खुले में मांस, मटन बिक्री नहीं कर सकता है। अगर कोई बिक्री करते हुए पाया जाएगा, तो उसके खिलाफकार्रवाई की जाएगी। अवैध रूप से संचालित दुकानों पर चालान काटा जाएगा, सब कुछ जपती बनाई जाएगी, दुकान में ताला लगा दिया जाएगा। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विक्रेता की होगी ।

सहकार से बड़े से बड़ा काम हो जाता है आसान : विष्णु देव साय

सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता के महत्व को समझा और देश के गांव-गरीब और किसानों के उत्थान के लिए सहकार से समृद्धि का आह्वान करते हुए पृथक से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सहकारिता का ग्रामीणों और किसानों के विकास में कितना महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि भारत में सहकार की बहुत पुरानी परंपरा है। बड़े से बड़ा काम सहकार से आसानी से पूरा हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक क्रांति लाने में भी सहकारिता ने बड़ी भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित प्रदेश स्तरीय कृषि सहकार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने ड्रोन दीदियों से मुलाकात कर ड्रोन का प्रदर्शन देखा और उनकी हौसला अफ्ज़ाई की। कार्यक्रम में सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी को रथ यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सहकार हमेशा से हमारे संस्कार में मौजूद है। एक-दूसरे का सहयोग करते हुए हमारे देश ने प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में भी सहकारिता ने बड़ी भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़ में किसानों को धान का भुगतान, गुणवत्तापूर्ण बीज और खाद उपलब्ध कराना, आदिवासी क्षेत्रों में लघुवनोपजों की खरीदी और तेन्दूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक का भुगतान भी सहकारिता के माध्यम से किया जा रहा है। सहकारिता से आज आर्थिक समृद्धि के रास्ते खुल रहे हैं।

सीएम साय ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए सहकार से जुड़ी बहुत सी स्मृतियां साझा की। उन्होंने बताया कि गांव में लोग एक दूसरे के काम में सहयोग के लिए स्वत: आगे आ जाते थे और सब अपनी क्षमता के अनुरूप मदद करते थे। सहकार के बीच हम सभी पले बढ़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता को समर्पित इस कार्यक्रम में आपने पिछले दो दिनों में बहुत कुछ सीखा होगा। इन दो दिनों में विषय विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारियां दी होगी जिसका लाभ आपको आने वाले समय में निश्चित रूप से मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज ड्रोन दीदियों से मुलाकात हुई। उन्हें ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण मिला है और अब भिलाई स्थित छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी में इसका प्रशिक्षण लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का बड़ा संकल्प लिया है। लखपति दीदियों में ड्रोन दीदियां भी शामिल है। ड्रोन का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं महिलाएं नई शुरुआत करते हुए लखपति बनने की राह पर बढ़ चुकी हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित सभी को शुभकामनाएं दी।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि बिना सहकार से सरकार, बिना संस्कार के सहकार और सहकार के बिना समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सहकारिता की शक्ति और सहयोग से आज प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार है। छत्तीसगढ़ में सहकारिता आंदोलन को भुलाया नहीं जा सकता। सहकारिता आंदोलन से जुड़े लोगों ने गरीबों, किसानों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। छत्तीसगढ़ को सक्षम और उन्नत बनाने के लिए सहकारिता से जुड़कर काम करने की जरूरत है। मंत्री नेताम ने कहा कि सहकारिता में सहभागिता भी जरूरी है। सभी अपनी जिम्मेदारी समझेंगे तो इससे स्वयं और समाज की समृद्धि अवश्य होगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मेरे लिए यह खुशी की बात है कि सांसद चुने जाने के बाद सहकारिता के कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिला है उन्होंने सभी को रथ यात्रा की शुभकामनाएं दी सांसद अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सहकारिता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के उदाहरण मौजूद हैं इस दिशा में और कार्य करने की जरूरत है।

उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए सहकारिता की भूमिका को लेकर सुझाव भी दिए। इस मौके पर पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, आईजीकेवी के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, सीएसवीटीयू के कुलपति डॉ. मुकेश वर्मा, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, करुणानिधि यादव, प्रीतपाल बेलचंदन, राधेश्याम जलक्षत्री और शताब्दी पाण्डेय मौजूद रही।

पंचायत सचिव संघ के सम्मान समारोह में शामिल हुए सीएम साय, बोले-

पंचायत सचिवों के शासकीय-करण करने बनाएंगे कमेटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में पंचायत सचिव दिवस के अवसर पर प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पंचायत सचिवों के हितों का पूरा ध्यान रखती है। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों की अपेक्षाओं को पूरा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश पंचायत सचिव संघ द्वारा शासकीयकरण की मांग को पूरा किया जाएगा और इसके क्रियान्वयन के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा पर संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का आभार गजमाला से किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने स्वयं भी 5 साल पंच और निर्विरोध सरपंच रहकर जनता की सेवा की है। उन्होंने बताया कि देश का विकास पंचायतों में निहित है और केंद्र या राज्य सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही होता है। सरपंच और सचिव के हाथों में ग्राम के विकास की चाबी होती है। मुख्यमंत्री ने पंचायत सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि सभी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सचिवों के माध्यम से ही होता है। उन्होंने सचिवों की प्रशंसा करते हुए उनसे और भी अच्छा कार्य करने का संकल्प लेने की अपील की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और छोटी सी अवधि में ही मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा अनेक घोषणाओं को पूरा करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने पंचायत सचिवों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि पंचायत से लेकर संसद तक कार्य करने का अनुभव मुख्यमंत्री श्री साय के पास है।

उपमुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही मोदी जी की गारंटी को पूरा करने का काम मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिवों के माध्यम से ही सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन होता है और सरकार की छवि बनती है। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों के एरियर्स की राशि का भुगतान किया गया और हड़ताल अवधि के 55 दिनों की राशि का भी भुगतान किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सचिव संघ की मांगों को सरकार ने हमेशा पूरा किया है और ग्राम सचिवों के माध्यम से ही ग्राम की समस्याओं और मांगों को ऊपर तक पहुंचाया जाता है। केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाएं पंचायत सचिवों के माध्यम से ही जमीनी स्तर तक पहुंचती हैं।

सांसद दुर्ग विजय बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार को सुशासन की सरकार बताया और कहा कि मुख्यमंत्री सभी की मांगों को संवेदनशीलता से सुनते हैं और पूरा करते हैं। उन्होंने पंचायत सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने में उनके योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर पंचायत सचिव संघ के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह पैंकरा और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पत्रकारिता और साहित्य मनुष्य के जीवन का रक्षा कवच है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पुरोधा पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी की जयंती पर प्रेस क्लब रायपुर और छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाषाविद डॉ. चित्तरंजन कर ने कहा कि एक पत्रकार को साहित्यकार भी होना चाहिए। पं. स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी इसके प्रेरक थे। उनके पास साहित्य के कारण रचनात्मक चिंतन दृष्टि थी। छत्तीसगढ़ को संवारने का काम उन्होंने किया। छत्तीसगढ़ का निर्माण पत्रकारिता और साहित्य संस्कृति से हुआ है राजनीति इसकी अनुगामी रही। समाचार सम्यक आचार की दृष्टि देता है।

समारोह के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, शिरीष त्रिवेदी, राजेश गनोदवाले, सुरेश मिश्रा, रत्ना पांडेय, आदि ने किया। प्रारंभ में डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि सन 1920 में पं. स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी के पिता जो स्वयं स्वतंत्रता सेनानी पं. गयाचरण त्रिवेदी ने अपने बच्चों का नाम स्वराज्य, स्वतंत्र और स्वाधीन रखा। विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने कहा कि सन् 1900 में छत्तीसगढ़ के कस्बों से पत्रकारिता ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

बिना संसाधन के पेंड्रा, खैरागढ़ और रायगढ़ जैसे स्थानों से स्तरीय पत्रकारिता ने जन्म लिया। विशिष्ट अतिथि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता के विश्वविद्यालय थे। सैकड़ों युवाओं को स्थापित पत्रकार बनाने में उनकी भूमिका रही है। समाज, राजनीति, संस्कृति और शासन के मध्य सेतु की तरह कार्य कर रहे थे ।वरिष्ठ इतिहासकार डॉ रमेंद्र नाथ मिश्र ने कहा कि इतिहास के प्रति पं त्रिवेदी में असीम चेतना थी। उन पर अनुसंधान का कार्य कराया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा कि प्रेस क्लब अपने पूर्वजों की स्मृति को यादगार बनाने संकल्पित है। पत्रकार और साहित्यकार के पसीने की बूंद से इस राज्य का निर्माण हुआ है। पत्रकारिता आज आधुनिक डिजिटल युग में है और यह चुनौती भरा कार्य है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को आज भी खतरा है।

सिम्स में किया गया सुविधाओं का विस्तार

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरूण साव द्वारा आज सिम्स में मरीजों की सुविधा के लिए बनाए गए बाहर बिस्तरों के आपातकालीन सेवा, अतिरिक्त ओपीडी कक्ष और उद्यान का लोकार्पण किया। इन सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को स्वास्थ सेवाएं शीघ्रता और सुगमता से उपलब्ध हो पाएंगी।

संभाग के सबसे बड़े अस्पताल सिम्स में सुविधाओं का विस्तार करते हुए अतिरिक्त ओपीडी कक्ष बनाया गया है जिसकी लागत लगभग 30 लाख है। बारह बिस्तरों के आपातकालीन सुविधा का निर्माण किया गया है। केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरूण साव द्वारा सिम्स में इन सुविधाओं का शुभारंभ किया गया। सीएमपीएचटीएफ और डीएमएफ फंड से निर्मित इस केन्द्र का निर्माण सीजीएमएसएससी द्वारा किया गया है। इसकी लागत लगभग 50 लाख है। इस सुविधा के तहत आपदा का वर्गीकरण करते हुए मरीजों को त्वरित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। इसी के साथ सिम्स में अतिरिक्त ओपीडी कक्ष बनाए गए हैं जिससे भीड़ का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

मेडिकल रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट और ओपीडी कक्ष आस-पास होने से अब मरीजों को सुविधा होगी।

सिम्स के सौंदर्यीकरण के लिए बनाये गये उद्यान का लोकार्पण भी केन्द्रीय मंत्री द्वारा किया गया। नगर निगम द्वारा निर्मित इस उद्यान की लागत 211.31 लाख है जो डीएमएफ और स्मार्ट सिटी के फंड से बनाए गए है। तोखन साहू और साव ने इस अवसर पर जनऔषधि केन्द्र का भी निरीक्षण किया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने इस मौके पर रेड क्रॉस की अतिरिक्त शाखाएं खोलने के भी निर्देश दिए। श्री साहू ने इस अवसर पर सिम्स प्रबंधन को बधाई देते हुए मरीजों के हित में बेहतर कार्य के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम जरूरतमंदों को उत्तम स्वास्थ सेवाएं उपलब्ध करा सके। इस मौके पर बिलासपुर नगर विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, जिला कलेक्टर अवनीश शरण, निगम कमिश्नर अमित कुमार, सिम्स के अधीक्षक डॉ. एस. के. नायक, डॉ. कमल किशोर सहारे, जन प्रतिनिधि, सिम्स प्रबंधन के अधिकारी-कर्मचारी और स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भिलाई में रथयात्रा की धूम : सेक्टर-4 व सेक्टर-6 से धूमधाम से निकले महाप्रभु

रथ यात्रा में रस्सा पकड़ने उमड़े लोग, सेंट्रल एवेन्यू में दिखा भक्तों का मेला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भिलाई शहर में धूमधाम से मनाया गया। भिलाई शहर के दो बड़े जगन्नाथ मंदिरों सेक्टर-4 व सेक्टर-6 से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। भगवान जगन्नाथ समिति के तत्वाधान में सेक्टर-4, बोरिया मार्केट स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी की रथयात्रा निकाली गई। रथ यहां से निकलकर सेन्ट्रल एवेन्यू होते हुए सेक्टर-10 के भव्य गुण्डिचा मंडप में पहुंचा। इस दौरान भगवान के रथ का रस्सा खींचने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। इसी प्रकार सेक्टर -6 जगन्नाथ मंदिर से निकली रथयात्रा सेक्टर-6 ए मार्केट के पास बने गुंडिचा मंडप में पहुंची।

भगवान जगन्नाथ समिति में रथयात्रा के पूर्व लोगों ने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्री बलभद्र, माता सुभद्रा और महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के विग्रह को पंहडी करते हुए काष्ठ निर्मित भव्य रथ पर लाया गया। इस वर्ष रथ यात्रा के दौरान रथ के समक्ष परम्परा अनुसार छेरा-पंहरा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ. अशोक कुमार पंडा रहे। उन्होंने झाड़ू से भगवान जगन्नाथ के मार्ग को साफ किया। महाप्रभु के जयकारों के साथ रथयात्रा की शुरुआत हुई।

बता दें पुरी में यह परम्परा पुरी के महाराज सम्पन्न कराते हैं। छेरा-पंहरा के पश्चात भक्त जनों ने 'जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ रथ खींचना प्रारंभ किया। इस दौरान हजारों की संख्या में भक्त भगवान के रथ को खींचने के लिए पहुंचे थे। जैसे जैसे रथ आगे बढ़ता जाता उसके साथ साथ सैकड़ों युवा युवतियां महिलाएं बच्चे नाचते गाते आगे बढ़ रहे थे। कुछ भक्त झांझ, मंजीरे, ढ़ोल, मृदंग बजाते हुए कीर्तन दल और भक्ति संगीत के धुन में नाचते-गाते रथ खींच रहे थे। सेन्ट्रल एवेन्यु में महाप्रभु के दर्शन और पूजा अर्चना के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु सड़क के दोनों ओर खड़े थे।

महाप्रभु का रथ सेन्ट्रल एवेन्यु में पहुंचते ही रथ खींचने और दर्शनार्थ भारी संख्या में लोग उमड़ पड़े। इस दौरान सेक्टर -6 से निकली रथयात्रा भी पहुंची। दो मंदिरों से निकली यात्रा के एक जगह संगम भी बड़ी संख्या में भक्त उमड़े। सभी चौक चौराहों पर भक्त सड़क पर खड़े होकर भगवान के दर्शन करते दिखे। यात्रा के दौरान अन्न प्रसाद और गजामूंग के प्रसाद का वितरण किया गया। कई स्थानों पर अलग-अलग संस्थाओं और समाज ने रथ का भव्य स्वागत किया। पंडाल लगा कर श्रद्धालुओं को भोग और शर्बत का वितरण किया गया।

एक वृक्ष मां के नाम थीम पर भारत स्काउट्स-गाइड्स ने किया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। भारत स्काउट एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव एवं राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देशानुसार भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोरिया एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंशानुरूप 'एक वृक्ष मां के नाम' थीम के तहत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह मुख्य अतिथि थे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी विशिष्ट अतिथि थे। जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह, जिला पंचायत सदस्य वंदना राजवाड़े की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, मुरमा के प्रांगण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कलेक्टर कोरिया ने उपस्थित स्काउट गाइड एवं जनसमुदाय को पौधरोपण एवं उसकी देखभाल की शपथ दिलाई और अपने उद्बोधन में सभी व्यक्तियों से पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. चतुर्वेदी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से निपटने में पेड़ों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए पौधरोपण के महत्व को समझाया। इसी कड़ी में शा. पूर्व माध्य. शाला बेसरझरिया के प्रांगण में अतिथियों, जिला संघ के पदाधिकारियों एवं स्काउट गाइड के पदाधिकारियों द्वारा 30 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इसके बाद, लगभग 300 स्काउट गाइड, 25 स्काउटर गाइडर एवं वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर फॉरेस्ट बीट मुरमा में लगभग 5,000 मिश्रित पौधों का रोपण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट कोरिया जितेंद्र कुमार गुप्ता के आदेशानुसार कार्यक्रम का संचालन हुआ। जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर जिला सचिव भारत स्काउट गाइड, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, विकासखंड सचिव, प्रधान पाठक, शिक्षक, शिक्षिका व छात्र-छात्रएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950